सोमवार, 23 मार्च 2026

मौसम

तापमान 21 – 31
आर्द्रता 70%
सूर्योदय: 05:39 सूर्यास्त: 17:48

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

वात्सल्य की प्रतिमूर्ति और ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी स्कंदमाता पृष्ठ 2

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच

कोलकाता, चैत्र शुक्लपक्ष पंचमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : इंसान को कल की फिक्र में आज की हँसी बर्बाद नहीं करनी चाहिए।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

सीसीएस ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की

प्रधानमंत्री मोदी ने की हाईलेवल मीटिंग

- संकट से निपटने के लिए बनेगा विशेष समूह
- ईंधन आपूर्ति के लिए अन्य स्रोत तैयार करने के निर्देश

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की अहम बैठक में संकट से निपटने के लिए विशेष समूह बनाने का फैसला लिया गया। इस बैठक में तेल, गैस और उर्वरक की सप्लाई को सुरक्षित रखने पर खास जोर दिया गया। करीब साढ़े तीन घंटे चली इस उच्च स्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री ने कच्चे तेल, गैस, बिजली और उर्वरक सेक्टर की स्थिति की समीक्षा की। सरकार का मुख्य फोकस यह रहा कि देश में किसी भी तरह की सप्लाई बाधित न हो। इसके लिए लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, वितरण व्यवस्था सुधारने और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे कदमों की जानकारी भी दी।

कोयले का पर्याप्त भंडार, बिजली की दिक्कत नहीं होगी

बैठक में पीएम को जानकारी दी गई कि सभी विद्युत संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार होने से भारत में बिजली की कोई कमी नहीं होगी। इसी तरह रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों द्वारा आवश्यक आयात के स्रोतों में विविधता लाने के लिए कई उपायों पर चर्चा की गई। यह भी तय किया गया कि भारतीय वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए निकट भविष्य में नए निर्यात गंतव्य विकसित किए जाएंगे।

डोभाल और शक्तिकांत दास भी मौजूद रहे

उच्च स्तरीय बैठक में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, बंदरगाह और जहाजरानी मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर, खाद्य, उपभोक्ता मामले मंत्री प्रल्हाद जोशी और नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू भी शामिल हुए। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास ने भी इसमें शिरकत की।

पीएम ने दी सरकार के प्रयासों की जानकारी

बैठक में पीएम मोदी ने देश में ऊर्जा संकट दूर करने के लिए हो सरकार की ओर से हो रहे कूटनीतिक प्रयासों की जानकारी दी जिनमें कई शासनाध्यक्षों से हुई द्विपक्षीय वार्ता भी शामिल है। पीएम मोदी ने खाड़ी देशों, ईरान, इस्राइल, फ्रांस के राष्ट्राध्यक्षों से बात की है। पीएम ने बीते शनिवार को ईरानी राष्ट्रपति से एक सप्ताह में दूसरी बार बात की और युद्ध के दौरान दूसरे देशों के ऊर्जा भंडारों पर हो रहे हमले को अस्वीकार्य बताया।

सरकार ने शहरों में गैस परियोजनाओं की तेजी से मंजूरी के निर्देश दिए

नयी दिल्ली : सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके। एक आधिकारिक बयान के अनुसार पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है।

ममता ने चुनाव प्रक्रिया पर जताई चिंता, भवानीपुर में कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने का किया आग्रह

कहा... 'एसआईआर में नाम कटने वालों को देंगे कानूनी मदद'

- ममता, अभिषेक ने पार्टी नेताओं के साथ की बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने को कहा। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया के संचालन पर चिंता व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं से मतदान समाप्त होने के बाद भी सतर्क रहने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले दक्षिण कोलकाता के चेतला में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। बैठक में भवानीपुर पर विशेष ध्यान दिया गया, जहां से वह चुनाव लड़ रही हैं और जिसे पार्टी एक महत्वपूर्ण चुनावी लड़ाई मानती है। बैठक में मौजूद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक नेता के मुताबिक, ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को संभावित गड़बडियों के प्रति आगाह किया और उनसे मतदान और मतगणना प्रक्रिया के दौरान सतर्क रहने को कहा। मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद कई अधिकारियों को हटा दिया गया है, जिससे चुनाव अवधि के दौरान राज्य प्रशासन की भूमिका सीमित हो गई है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदान समाप्त होने के बाद भी उपस्थित और सतर्क रहने का आग्रह किया और ईवीएम वाले सुरक्षित कक्षों की निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिजली कटौती सहित संभावित व्यवधानों जैसी चिंताओं का उल्लेख किया और कार्यकर्ताओं से मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद न जाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने पार्टी के व्यापक राजनीतिक रोडमैप के बारे में भी बात की और कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद ध्यान राष्ट्रीय राजनीति पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटवाने जैसी समस्याओं का सामना कर रहे मतदाताओं को पार्टी कानूनी सहायता प्रदान करेगी।

अभिषेक बनर्जी ने भवानीपुर में 60,000 वोटों के अंतर से जीत का रखा लक्ष्य

तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गृह नगर भवानीपुर में एक संगठनात्मक बैठक आयोजित की, जहां पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने विधानसभा चुनावों में इस सीट पर ममता बनर्जी की 60,000 से अधिक वोटों से जीत सुनिश्चित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया। तृणमूल कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, चेतला के अहिंद्रा मंच में एक बंद कमरे में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक ने बूथ स्तर के नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि भवानीपुर को कोलकाता में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले निर्वाचन क्षेत्र के रूप में उभरना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोलकाता में भवानीपुर को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ममता को 60,000 से अधिक वोटों से जीतना होगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि इस निर्वाचन क्षेत्र को पार्टी का गढ़ माने जाने के बावजूद वे आत्मसंतुष्ट न हों। उपस्थित लोगों में तृणमूल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, दक्षिण कोलकाता जिला अध्यक्ष देबाशीष कुमार और क्षेत्र के पार्षद, जीतो के अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन, सकल जैन समाज के संयोजक चंद्रेश मेघाणी, अरशद अजमेरा, निंबल विनायिका, संजय जैन व अन्य शामिल थे।

ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य खोले, अन्यथा ऊर्जा संयंत्र नेस्तनाबूद कर देंगे : ट्रंप

काहिरा : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को ''नेस्तनाबूद'' कर देगा। ट्रंप ने यह चेतावनी फ्लोरिडा में सप्ताहांत बिताने के दौरान सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने कहा कि ईरान को इस अहम जलमार्ग को खोलने के लिए ठीक 48 घंटे का समय दिया जा रहा है, अन्यथा उसे नए हमलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ''विभिन्न ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट कर देगा और इसकी शुरुआत सबसे बड़े संयंत्र से होगी।'' तेल की कीमतों में तेजी के बीच ट्रंप पर इस जलडमरूमध्य को सुरक्षित कराने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

हम पागलपन भरी धमकी से नहीं डरते : ईरानी राष्ट्रपति का पलटवार

पेजेश्कियान ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ईरान को नक्शे से मिटाने का भ्रम दरअसल उस हताशा को दर्शाता है, जो एक इतिहास रचने वाले राष्ट्र की दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने खड़ी है। धमकियां और आतंक हमारे संकल्प को कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत करते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज सभी के लिए खुला है, सिवाय उनके जो हमारी जमीन और संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं। हम युद्धभूमि में किसी भी पागलपन भरी धमकी का डटकर और निर्णायक तरीके से सामना करने के लिए तैयार हैं।'

चुनाव आयोग आज जारी करेगा पूरक मतदाता सूची, 27 लाख मामलों का हुआ निपटारा

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग आज शाम राज्य में चुनाव के लिए पहली पूरक मतदाता सूची प्रकाशित कर सकता है। यह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह सूची अंतिम मतदाता सूची की तरह ही जारी की जाएगी, जिसकी प्रतियां जिला निर्वाचन अधिकारियों को भेजी जाएंगी और बाद में राज्य भर के मतदान केंद्रों पर प्रदर्शित की जाएंगी। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि विचाराधीन मामलों की समीक्षा की प्रक्रिया व्यापक रही है और उचित सत्यापन के बाद 27 लाख से अधिक मामलों का निपटारा हो चुका है। पूरक सूची में इन परिणामों को पारदर्शी रूप से शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ये 27 लाख मतदाता उन 60 लाख मतदाताओं में शामिल थे जिन्हें 28 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 'विचाराधीन' के रूप में चिह्नित किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया काफी विस्तृत और पारदर्शी रही है। 705 न्यायिक अधिकारियों को इस काम में लगाया गया था, जिन्होंने तय किया कि किस नाम को सूची में शामिल करना है और किसे हटाना है। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के तहत की गई है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो। सूची जारी होने से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। राज्य सरकार ने भी जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि भीड़ नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और सुरक्षा पर खास ध्यान दिया जाए। पुलिस और प्रशासन को सतर्क रहने को कहा गया है, ताकि किसी तरह की समस्या न हो।

तृणमूल उम्मीदवार नंदीग्राम आंदोलन में शामिल नहीं, लोग नहीं करेंगे स्वीकार : शुभेंदु अधिकारी

पूर्व मेदिनीपुर : नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र की जनता सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वह दो दशक पहले हुए भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में शामिल नहीं थे। शुभेंदु ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से कहा कि आपने नंदीग्राम में बदलाव के लिए वोट दिया था लेकिन यह निरंकुश तृणमूल शासन नहीं बदला। अब उम्मीद करते हैं कि नंदीग्राम में भाजपा को आपका वोट राज्य में तुष्टीकरण समर्थक ममता बनर्जी सरकार को हटाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने यहां दिन में चुनाव प्रचार शुरू किया था। शुभेंदु ने अपने पूर्व सहयोगी और हाल ही में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए पबित्र कर की उम्मीदवारी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह कभी नंदीग्राम आंदोलन का हिस्सा नहीं रहे और इस क्षेत्र के लोग, जिन्होंने कृषि भूमि अधिग्रहण को रोकने के लिए खून बहाया था, उन्हें कभी स्वीकार नहीं करेंगे। शुभेंदु ने हजारों समर्थकों के साथ सोनाचुरा, गोकुलनगर और टेखाली क्षेत्रों में प्रचार किया। जब रैली पवित्र कर के आवास के पास से गुजरी, तो 'चोर चोर' जैसे नारे सुनाई दिए, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने घर के चारों ओर सुरक्षा घेरा बना लिया। हालांकि, किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं हुआ और शुभेंदु ने अपने समर्थकों से किसी भी ऐसे शब्द का प्रयोग न करने का आग्रह किया, जो किसी के लिए भी अपमानजनक या आपत्तिजनक हो।

बंगाली हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान के अत्याचारों को नरसंहार घोषित किया जाए : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन : अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें मांग की गयी है कि पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों को ''युद्ध अपराध और नरसंहार'' माना जाए। ओहायो से डेमोक्रेट सांसद लैंड्समैन ने शुक्रवार को यह प्रस्ताव पेश किया, जिसे अब विदेश मामलों की समिति को भेज दिया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया और उसकी सेना ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित उग्र इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूर्वी पाकिस्तान में ''ऑपरेशन सर्चलाइट'' नाम से एक व्यापक दमन अभियान शुरू किया, जिसमें नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया। इसमें यह भी कहा गया है कि 28 मार्च 1971 को ढाका में अमेरिका के महावाणिज्य दूत आर्चर ब्लड ने वाशिंगटन को ''चुनिंदा नरसंहार'' शीर्षक से एक टेलीग्राम भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, ''पाकिस्तानी सेना के समर्थन से गैर-बंगाली मुसलमान गरीब बस्तियों पर संगठित हमले कर रहे हैं और बंगालियों तथा हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं।'' लैंड्समैन ने बताया कि छह अप्रैल 1971 को आर्चर ब्लड ने अमेरिकी सरकार की चुप्पी पर आपत्ति जताते हुए एक संदेश भेजा था, जिस पर ढाका वाणिज्य दूतावास के 20 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इसे बाद में ''ब्लड टेलीग्राम'' के नाम से जाना गया। उस टेलीग्राम में कहा गया था, ''लेकिन हमने इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसमें दुर्भाग्यवश नरसंहार शब्द लागू होता है, एक संप्रभु देश का आंतरिक मामला है।''

एफपीआई ने मार्च में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कमजोर होते रुपये और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत की वृद्धि और कंपनियों की कमाई पर असर पड़ने की आशंका के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये (लगभग 9.6 अरब डॉलर) निकाले हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई की यह निकासी फरवरी में उनके द्वारा की गई खरीदारी के बाद देखने को मिली है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो 17 महीनों का सबसे ऊंचा आंकड़ा था। हालिया निकासी के साथ 2026 में अबतक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाल चुके हैं। मार्च में (20 मार्च तक), एफपीआई हर कारोबारी सत्र में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने इस दौरान 88,180 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। हालांकि, यह निकासी अक्टूबर, 2024 की 94,017 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड निकासी से कम है। एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल एफपीआई की निकासी की एक और बड़ी वजह है। ज्यादा प्रतिफल ने डॉलर वाली संपत्तियों का आकर्षण बढ़ाया है, जिससे भारत जैसे उभरते बाज़ारों से एफपीआई निकासी कर रहे हैं।

बंद हो मैला सफाई की अमानवीय प्रथा

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है।

निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है। निस्संदेह, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नागरिक को अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। श्रम की गरिमा के सवाल का जबाव महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक जमीनी हकीकत बनाना होगा।

आज का पंचांग

कोलकाता : 23 मार्च, सोमवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, चैत्र शुक्लपक्ष पंचमी, 18:40 तक, नक्षत्र : कृत्तिका, 20:50 तक, योग : विष्कंभ, 12:22 तक, सूर्योदय: 05:39, सूर्यास्त: 17:48, चन्द्रोदय : 08:23, चन्द्रास्त: 22:27, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : वृषभ, राहू काल : 07:12 से 08:42

राशिफल

मेष : लाभ भाव में बुधदेव की उपस्थिति का अर्थ है कि आपके संपर्कों और नेटवर्किंग के प्रयास अब ठोस परिणाम देने लगे हैं। आज आर्थिक संभावनाएं बहुत उज्ज्वल दिखाई दे रही हैं।

वृष : आपकी प्रतिष्ठा भाव में बुधदेव के होने से आपकी साख और सम्मान फिर से मजबूत हो रहा है। करियर से जुड़ा कोई पुराना संपर्क लाभदायक प्रस्ताव लेकर आपके पास वापस आ सकता है।

मिथुन : ज्ञान के भाव में बुधदेव का होना पक्का करेगा कि आपकी दीर्घकालिक रणनीतियां और अंतरराष्ट्रीय सहयोग अब फिर से पटरी पर आ जाएं। योजना बनाने के लिए आज के दिन का उपयोग करें।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी को नई नौकरी या बेहतर अवसर मिलने की संभावना भी बन सकती है।

सिंह : सातवें भाव में बुधदेव के होने का अर्थ यह है कि आपके सहयोग और साझेदारियां अब आपकी सबसे बड़ी शक्ति हैं। आर्थिक संभावनाएं पेशेवर पुरस्कारों पर केंद्रित हैं।

कन्या : पेशेवर तौर पर आप एक दूरदर्शी विशेषज्ञ के रूप में उभर रहे हैं। छठे भाव में बुधदेव की स्थिति का मतलब है कि आपके काम करने का तरीका अब आपके सबसे मजबूत पक्ष हैं।

तुला : पेशेवर जीवन में आप एक रणनीतिक विश्लेषक के रूप में कार्य कर रहे हैं। आर्थिक संभावनाएं आंतरिक प्रबंधन पर केंद्रित हैं। आपकी दैनिक स्थिरता को बनाए रखें।

वृश्चिक : बुनियाद के भाव में बुधदेव की स्थिति का मतलब है कि आपकी आंतरिक प्रणालियां और होम-ऑफिस सेटअप अब आपके सबसे मजबूत उपकरण हैं।

धनु : पेशेवर रूप से आप दक्षता विशेषज्ञ के रूप में जाने जाएंगे। कौशल के भाव में बुधदेव की सीधी गति का अर्थ है कि प्रेसेंटेशन्स और तकनीकी कार्यप्रवाह अब आपकी सबसे बड़ी शक्ति हैं।

मकर : धन भाव में बुधदेव की उपस्थिति का मतलब है कि आपकी फाइनेंशियल बातचीत और रिसोर्स मैनेजमेंट अब आपके सबसे मजबूत उपकरण हैं।

कुम्भ : आपकी राशि में बुधदेव के होने का मतलब है कि आपका पर्सनल ब्रांड और कम्युनिकेशन स्टाइल अब आपकी सबसे बड़ी ताकत हैं। आर्थिक गतिविधियां घर-आधारित खर्चों पर केंद्रित हैं।

मीन : अदृश्य भाव (बारहवें घर) में बुधदेव के होने का अर्थ है कि आपके पीछे के शोध और निजी रणनीतियां अब आपके सबसे मजबूत पक्ष हैं। फिजूलखर्ची करने से बचें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान दें।

वात्सल्य की प्रतिमूर्ति और ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी स्कंदमाता

अशोक प्रवृद्ध

नवरात्रि का पांचवां दिन भगवती श्रीदुर्गा के पंचम स्वरूप देवी स्कन्द (स्कंद) माता को समर्पित है, जो स्वयं ममता का सागर हैं। ज्ञान की अधिष्ठात्री और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति हैं। बुद्धि और संतान सुख की प्रदाता हैं। ममता, वात्सल्यता और वीरता का संगम हैं। शक्ति, भक्ति और ममता की मूरत हैं। अपने भक्तों को ज्ञान और मोक्ष का आशीर्वाद देती हैं। उनकी गोद में विराजमान बाल स्कंद (कार्तिकेय) यह संदेश देते हैं कि शक्ति का आधार वात्सल्य है। भगवान कार्तिकेय की माता स्कंदमाता की महिमा का वर्णन देवी सप्तशती, स्कंद पुराण और देवी से संबंधित सभी शाक्त व तांत्रोक्त ग्रंथों में विशद रूप से अंकित है। माता स्कंदमाता न केवल बुद्धि के ग्रह बुध को नियंत्रित करती हैं, बल्कि आयुर्वेद में उन्हें अलसी के रूप में भी पूजा जाता है। उनकी कृपा से मानसिक स्पष्टता और उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त होता है। यही कारण है कि देवी स्कंदमाता का दिव्य स्वरूप का वर्णन करते हुए भक्त जन प्रार्थना करते हैं- सिंह-आसनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।

शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी।।

स्कन्दमाता की पौराणिक कथा मुख्य रूप से तारकासुर नामक दैत्य के संहार और भगवान कार्तिकेय (स्कंद) के जन्म से जुड़ी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार तारकासुर नामक एक शक्तिशाली राक्षस ने कठोर तपस्या करके ब्रह्मा से वरदान प्राप्त किया था कि उसकी मृत्यु केवल भगवान शिव के पुत्र के हाथों ही हो सकती है। उसे विश्वास था कि सती के आत्मदाह के बाद शिव वैराग्य में हैं, समाधिस्थ हैं और वे कभी विवाह या संतानोत्पत्ति नहीं करेंगे। यह देख उसने प्रजा और देवों पर अपने अत्याचार की तीव्रता बढ़ा दी। तारकासुर के बढ़ते अत्याचारों से परेशान होकर देवताओं ने कामदेव व रति के द्वारा शिव को समाधि, वैराग्य से जगाने का प्रयास किया। माता सती ने पर्वतराज हिमालय के यहां पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठिन तपस्या के बाद शिव से विवाह किया। शिव और पार्वती के तेज से एक अत्यंत प्रतापी बालक का जन्म हुआ, जिसे कार्तिकेय या स्कंद कहा गया। जब भगवान कार्तिकेय बाल रूप में थे, तब माता पार्वती ने उन्हें युद्ध के लिए प्रशिक्षित करने और ममतामयी रक्षा प्रदान करने के लिए जो रूप धारण किया, उसे स्कंदमाता कहा गया। स्कंद (कार्तिकेय) की माता होने के कारण ही इनका नाम स्कंदमाता पड़ा। माता स्कंदमाता के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से कार्तिकेय देवताओं के सेनापति बने और उन्होंने अपनी शक्ति से अहंकारी तारकासुर का वध कर देवताओं को उसके भय से मुक्त कराया। यह कथा दर्शाती है कि एक माता न केवल जन्म देती है, बल्कि अपने संतान को बुराइयों से लड़ने के योग्य भी बनाती है। माता का दिव्य स्वरूप और प्रतीक का चित्रण करते हुए पौराणिक ग्रंथों में कहा गया है कि स्कंदमाता की छवि अत्यंत मनमोहक और ममतामयी है। वे श्वेत वर्ण वाली और चतुर्भुज अर्थात चार भुजाओं वाली हैं। दो भुजाओं में कमल का पुष्प है, एक भुजा आशीर्वाद अर्थात अभय मुद्रा में है और एक भुजा से उन्होंने

बाल स्कंद को पकड़ा हुआ है। माता का वाहन सिंह है, जो शौर्य का प्रतीक है। स्कंदमाता अपनी गोद में बाल स्कंद अर्थात छह मुख वाले कार्तिकेय को बैठाए हुए हैं। कमल के आसन पर विराजमान होने के कारण इन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है। स्कंदमाता की कथा ब्रह्मांड के संरक्षण से जुड़ी है। माता का यह रूप लौकिक सुखों के साथ-साथ मोक्ष का मार्ग भी प्रशस्त करता है। माता स्कंदमाता का रूप हमें यह सिखाता है कि शक्ति का उपयोग केवल विनाश के लिए नहीं, बल्कि सृजन और संरक्षण के लिए होना चाहिए। वे ममतामयी माँ भी हैं और असुरों का काल भी। उनकी शरण में आने वाला भक्त कभी ज्ञान और सुख से वंचित नहीं रहता। ज्योतिषीय ग्रंथों के अनुसार बुध ग्रह को नियंत्रित करने वाली स्कंदमाता की उपासना से कुंडली में ग्रहों के अशुभ प्रभाव दूर होते हैं और साधक को कई ज्योतिषीय लाभ मिलते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार स्कंदमाता बुध ग्रह की अधिष्ठात्री देवी हैं। बुध बुद्धि, तर्क, संचार और व्यापार का कारक है। यदि किसी की कुंडली में बुध कमजोर, नीच का या अशुभ स्थिति में हो, तो स्कंदमाता की पूजा से उसके नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। बुध दोष का निवारण होता है। उनकी कृपा से स्मरण शक्ति बढ़ती है और तार्किक क्षमता में सुधार होता है। बौद्धिक विकास होता है। स्कंदमाता को संतान की देवी माना जाता है क्योंकि वे भगवान स्कंद (कार्तिकेय) की माता हैं। कुछ ज्योतिषीय मतों के अनुसार उनकी पूजा से बृहस्पति ग्रह भी बलवान होता है, जो संतान का मुख्य कारक है। जिन दंपत्तियों को संतान प्राप्ति में बाधा आ रही हो, उन्हें स्कंदमाता की विशेष आराधना की सलाह दी जाती है। स्कंदमाता का संबंध शरीर के विशुद्ध चक्र अर्थात कंठ चक्र से है। ज्योतिषीय और आध्यात्मिक दृष्टि से यह चक्र वाणी की मधुरता, अभिव्यक्ति और मानसिक शांति को नियंत्रित करता है। स्कंदमाता की पूजा से कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति भी शुभ होती है, जिससे व्यक्ति में साहस और आत्मविश्वास का संचार होता है। कुछ ज्योतिर्विदों का मानना है कि माता का ममतामयी रूप चंद्रमा और शुक्र के शुभ गुणों को भी बढ़ाता है, जिससे पारिवारिक सुख और भावनात्मक संतुलन प्राप्त होता है। बुध ग्रह को प्रसन्न करने के लिए पूजा में हरे रंग के वस्त्रों या वस्तुओं का उपयोग करना अत्यंत शुभ माना जाता है। माता को पीले फूल या केले का भोग लगाने से बृहस्पति और बुध दोनों ग्रहों के शुभ फल मिलते हैं। आयुर्वेद और मार्कण्डेय पुराण आदि पौराणिक ग्रंथों के अनुसार नवदुर्गा का प्रत्येक रूप एक विशिष्ट औषधि का प्रतिनिधित्व करता है। स्कंदमाता का संबंध अलसी नामक औषधि से है। देवी कवच के अनुसार स्कंदमाता अलसी औषधि के रूप में विद्यमान हैं। जिस प्रकार माता अपने भक्त की रक्षा करती हैं, उसी प्रकार अलसी शरीर को रोगों से बचाती है। आयुर्वेद में अलसी को त्रिदोष नाशक माना गया है, विशेषकर यह वात रोगों को शांत करने में अत्यंत प्रभावशाली है। स्कंदमाता की आराधना के साथ अलसी का सेवन शारीरिक दोषों को संतुलित करता है। अलसी ओमेगा-3 फैटी एसिड का समृद्ध स्रोत है, जो हृदय को स्वस्थ रखता है और मस्तिष्क की कार्यक्षमता अर्थात स्मरण शक्ति बढ़ाता है। यह स्कंदमाता के ज्योतिषीय कारक बुध अर्थात बुद्धि से भी मेल खाता है। चूंकि स्कंदमाता का संबंध विशुद्ध चक्र (कंठ) से है, इसलिए अलसी का उपयोग खांसी, जुकाम और गले की खराश दूर करने वाली आयुर्वेदिक दवाओं में किया जाता है। यह फाइबर से भरपूर होती है, जो कब्ज को दूर करती है और शरीर को ऊर्जा प्रदान करती है। स्कंदमाता वात्सल्य और मातृत्व की देवी हैं। आयुर्वेद में अलसी का सेवन महिलाओं के हार्मोनल असंतुलन को ठीक करने और प्रसव के बाद शारीरिक कमजोरी दूर करने के लिए रामबाण माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार अलसी के बीजों का लेप सूजन, घाव या जलन आदि त्वचा संबंधी विकारों को ठीक करने में सहायक होता है। नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा के साथ अलसी का सेवन या दान करना उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करने वाला माना जाता है। देवी स्कंदमाता की पूजा करने से भक्त को दोहरी कृपा प्राप्त होती है। उनकी गोद में भगवान स्कंद विराजमान हैं, इसलिए माता की पूजा से कार्तिकेय की पूजा स्वतः हो जाती है।

-लेखक, आध्यात्मिक चिन्तक व साहित्यकार

भगत सिंह से बेहद प्रभावित थे नेताजी -कैप्टन लक्ष्मी सहगल

शहादत दिवस पर विशेष

इतिहास में दर्ज हम अतीत के स्वर्णिम पलो व यादगार लम्हों को भला कैसे भुला सकते हैं जहां देश के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर हंसते हंसते फांसी का फंदा चूमने का जिक्र हो। अतीत ही वह आइना है जिसे सामने रखकर हमें आगे बढ़ने की कोशिश कर सकते हैं। सच तो यह है कि जिस समाज ने अपने गौरवमय अतीत और सकारात्मक सोच को भुला दिया, समझ लीजिए उस समाज का भविष्य संकटों में घिरता जायेगा। इतिहास भले ही पीछे लौटना न जानता हो, हम उसे पीछे लौटाने पर तुले बैठे हैं। इस समय विशेषकर अतीत के उस पन्ने पर नजर डालने जा रहे हैं जिसमें देश को अंग्रेजो के चंगुल से मुक्त करने के लिए वीर सपूतों की टोली मेरा रंग दे बसंती चोला के उद्घोष के साथ सक्रिय हो उठी थी। जिसका नेतृत्व शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह कर रहे थे। शहीद-ए-आजम भगत सिंह के बारे में जब भी कुछ जानने की कोशिश करता हूं रोंगटे खड़े हो जाते हैं। भारत के इस महान सपूत का जन्म 28 सितंबर 1907 के जिला लायलपुर (अब फैसलाबाद, पाकिस्तान) में हुआ था एवं 23 मार्च 1931 को भगत सिंह को राजगुरू और सुखदेव के साथ लाहौर में उस समय फांसी दे दी गयी थी जब के भारतीय जन-मानस के बीच क्रांति के पर्याय बन चुके थो। दरअसल हर साल हम शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की पूण्यतिथि व जन्म दिवस मनाकर बस खाना पूर्ति करते आ रहे हैं। जबकि हम देश के लिए मर मिटने वाले असंख्य वीरों को नमन करते हुए दावे के साथ यह कह सकते हैं कि दुनिया में इतना बडा क्रांतिकारी पैदा नहीं हुआ है। हां भगत सिंह की श्रेणी में हम क्यूबा के महान क्रांतिकारी चे रवारा को बड़े आदर सम्मान व फ्रक के साथ रख सकते हैं। भगत सिंह के बारे में कई नामचीन लेखक, पत्रकार, चिंतक व राजनीति के पंडितों के समय- समय पर अपनी बातें रखी हैं। लेकिन हरदिल अजीज हमारे नेताजी सुभाष चंद्र बोस की राय क्या थी, इसकी जानकारी हमें नेताजी की झांसी की रानी के नाम पर गठित महिला ब्रिगेड की कैप्टन डॉ. लक्ष्मी सहगल से साथ हुई विशेष साक्षात्कार में सामने आयी। कोलकाता प्रेस क्लब में आयी डॉ.लक्ष्मी सहगल के साथ मेरी संक्षिप्त बातचीत में भगत सिंह से संबंधित कई जानकारियां मिली। प्रैस क्लब का अध्यक्ष होने के नाते मैने उनका और उनकी कन्या जानी मानी समाज सेविका सुह-ासनी अली का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता सेनानी समाजिक कार्यकर्ता और भारतीय सेना की पहली महिला कमांडर डॉ. लक्ष्मी सहगल का जन्म 24 अक्टूबर 1914 को मद्रास (अब चेन्नई) में उच्च न्यायालय में वकील श्री एस.स्वामी नाथन और स्वतंत्रता सेनानी अम्मू स्वामीनाथन के घर हुआ था और मृत्यु 23 जुलाई 2012 को हुई थी। उनका विवाह भारतीय सेना के आफिसर श्री प्रेम कुमार सहगल से हुआ था। लक्ष्मी शुरू से ही मेधावी छात्रा रहीं। उन्होंने मद्रास मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की थी। एवं जब जापान ने सिंगापुर पर कब्जा कर लिया था, तब डां. लक्ष्मी सहगल ने युद्ध बंदियों की चिकित्सा सेवी की थी। स्मरण रहे कि 1943 में जब नेताजी ने सिंगापुर पहुंच कर भारतीय राष्ट्रीय सेने के साथ लीग का नेतृत्व संभाला, उस समय लक्ष्मी नेताजी के करिश्माई नेतृत्व से इतनी अधिक प्रभावित हुई कि उन्होंने सेना से जुड़ने की अपनी इच्छा सीधे नेताजी से सामने रख दी। नेताजी लक्ष्मी के विचारों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने महिला रेजिमेंट की कमान लक्ष्मी सहगल के हाथों में सौंप दी। यह सर्वविदित है कि बाद में वे नेताजी की आजाद हिन्द फौज की अंतरिम सरकार की मंत्रिपरिषद में एकमात्र महिला मंत्री बनी। उस दौरान वे जेल भी गयीं। 1945 में वह रंगून स्थित जेल में बंदी के रूप में भी रहीं।

नेताजी की महिला ब्रिगेड की कमांडर इन-चीफ डॉ. लक्ष्मी सहगल के साथ कोलकाता प्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष श्री राज मिठौलिया

इस साक्षात्कार में मेरे पहले सवाल के जवाब डां. लक्ष्मी सहगल ने अपने कमांडर इन चीफ नेताजी सुभाष चंद्र बोस के भगत सिंह के प्रति अपार सम्मान की भावनाओं को उजागर किया। भगत सिंह के अदम्य साहस व देश को आजाद करने के उनके जज्बे की नेताजी तहेदिल से सलाम करते थे। मेरे यह पूछे जाने पर कि क्या उस दौरान महात्मा गांधी और भगत सिंह की टोली के बीच स्वाधीनता आंदोलन के पद्धति को लेकर उपजे विवाद पर नेताजी ने मौन धारण कर रखा थाजवाब में डां. सहगल ने बड़े स्पष्ट शब्दों में बताया कि नेताजी भगत सिंह का प्रत्यक्ष समर्थन उस घटना से जाहिर जो जाता है जब उन्होंने भगत सिंह को कानून मदद लेने के लिए विशेष आग्रह किया था। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी सोच यह स्मरण कर ही नेताजी अत्यंत भावुक हो उठे थे। नेताजी अपनी हर सभा में मुख्यरूप से भगत सिंह का नाम बड़ी आदर के साथ लेते थे। नेताजी ने अंतिम क्षणों तक भगत सिंह को जेल से बाहर निकालने की अथक प्रयास किया था। इसी से संबंधित एक और सवाल के जवाब में डां.लक्ष्मी सहगल ने किसी का नाम लिए वगैर खुलासा किया कि कई नेता भगत सिंह के लिए खिलाफ एक विशेष जन नेता के सुर में सुर मिलाने लग गये थे, जबकि नेताजी इससे कोसो दूर थे। वैसे भी एसेंबली में फेंके गये बन से किसी को नुकसान पहुंचाने का इरादा कतई नहीं था, भगत सिंह को आपनी न्यायोजित मांगों के संबंध में बहरों को सुनाने के लिए बहुत ऊंची आवाज की आवश्यकता होती है, बस यही कहना था भगत सिंह का। उनका स्पष्ट नजरिया था कि किसी विशेष हालत में हिंसा जायज हो सकती है लेकिन जन आंदोलन का मुख्य हथियार अहिंसा होगी। इसके साथ ही उनका स्पष्ट कहना था कि क्रांति तो विचारों की सान पर तेज होती है डॉ. लक्ष्मी सहगल ने इस बात की भी जानकारी दी कि नेताजी 13 अप्रैल 1919 में पंजाब के अमृतसर में घटित जलियांवाला बाग हत्याकांड का आक्सर जिक्र करते हुए 12 साल के बालक भगत सिंह का ब्रिटिश साम्राज्यवादियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने के प्रण को वतन के लिए आहूति मानते थे। यह भा तथ्य है कि इस समय भगत सिंह के परिवार के साथ नेताजी के अलावा प्रातः स्मरणीय क्रांतिकारी रासबिहारी बोस, सचीन्द्रनाथ सान्याल, गदर पार्टी के युवा नेता कर्तार सिंह के साथ बहुत ही अच्छे संबंध थे। इसके साथ के सभी क्रांतिकारी भगत सिंह की भारत मां के प्रति सोच के दीवाने थे। क्योंकि भगत सिंह का स्पष्ट कहना था कि पढ़ो, आलोचना करो, सोची व इसकी (इतिहास को) सहायता से अपने विचार बनाने का प्रयत्न करो। सिर्फ इतना ही नहीं वामपंथी विचारधारा रखनेवाले व इंक्लाब जिंदाबाद की नारा बुलंद करने वाले भगत सिंह सांप्रदायिकता के साथ ही साथ अंध राष्ट्रवाद के सख्त खिलाफ थे। नेताजी को बंकिम चंद चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत कविता बंदे मातरम् के आलावा पंडित रामप्रसाद बिसमिल की कविता की ये पंक्तियां सर फरोसी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है और जगदंबा प्रसाद मिश्र हितैशी की कविता की इन पंक्तियों शहीदों के चिताओं पर जुडेंगे हर बरस मेले वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा। इलाही वो भी दिन होगा जब अपना राज देखेंगे। जब अपनी ही जमीं होती और अपना आसमां होगा बेहद पसंद थी। यकीनन मुक्तिकामी आकांक्षाओं को स्वर देनेवाली असंख्य कविताएं स्वाधीनता संग्राम के जीवंत और ज्वलंत दस्तावेज के रूप में आज इतिहास की धरोहर बन चुकी है। पत्रकार के रूप में भगत सिंह द्वारा विभिन्न अखबारों में लिखे गये लेख व रपट की गहराई से नेताजी अत्यंत प्रभावित थे ऐसा डॉ. लक्ष्मी सहगल ने बताया था। वैसे सच तो यह है कि भगत सिंह का पूरा लेखन ऐसे सुचिंतित विचारों से भरा हुआ है, जिनमें से हम यकीनन आज की समस्याओं से समाधान के सूत्र भी पा सकते हैं। बहरहाल देश के वर्तमान हालातों के मद्देनजर हमें निश्चितरूप से ऐसा लगता है कि जिन विचारों की खातिर हमारे हरदिल अजीज सरदार भगत सिंह हंसते हंसते फांसी के फंदे को चूम शहीद हो गये, वे विचार आजादी के 79 साल बाद भी उन लोगों तक नहीं पहुंचे हैं, जिनके लिए उन्होंने इतनी कम उम्र (मात्र 23 साल 6 महीने) में फांसी के फंदे को चुन लिया था। हकीकत में देश की वर्तमान पीढ़ी अतीत से कट चुकी है। उसे केवल भोल विलास, वैभव और ऐश्वर्य से भरा वर्तमान नजर आता है। जहां नैतिकता और आपसी सौहार्द नाम की कोई वस्तु नहीं रह गयी है। लिहाजा जबावदेही तो निश्चित रूप से सबकी बनती है।

-पूर्व अध्यक्ष कलकत्ता प्रेस क्लब

वर्ग पहेली नं. 3387

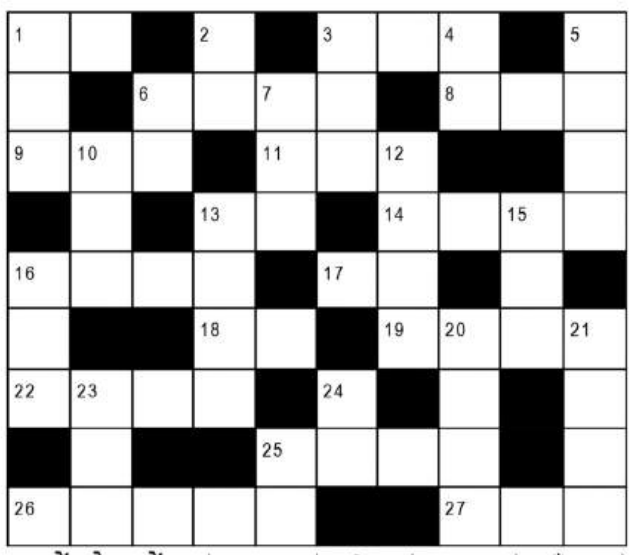

बायें से दायें:- 1) सवाल, 3) बुद्धि, 6) गायब, 8) महँगा, 9) कृतघ्न; दुराचारी, 11) एक देवांगना, 13) भाग, 14) पुलकित, 16) शोक; उदासी, 17) दीर्घ, 18) प्रचलित, 19) रसयुक्त, 22) बटमारी, 25) एक कंद, 26) गैरजरूरी, 27) एशिया का एक बौ द्धधर्मीय देश.

ऊपर से नीचे:- 1) बहाव; बहती धारा, 2) अनावश्यक; अतिरिक्त, 3) संसद; घर, 4) मछली, 5) कलाकार, 6) गीलापन, 7) विष्णु, 10) राम, 12) धंधा, 13) भीतर का, 15) तम्बाकू पीने का एक साधन, 16) अपूर्ण, 20) मतैक्य, 21) अपरिवर्तित, 23) खिसकाना, 24) बिना तने का पौधा, 25) शंका.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

नि	■	स	ह	सा	■	ह	रि	या	णा
र	■	सु	■	फ़्र	स	ला	■	रा	■
प	धा	र	ना	■	ब	ह	क	ना	■
रा	■	■	दा	ढ़ी	■	ल	त	■	आ
धा	न	वा	न	■	ठो	■	वा	र्षि	क
■	म	■	■	ख़ा	स	क	र	■	र्ष
■	क	ल	क	ल	■	दं	■	■	क
दु	■	ड़	■	सा	ह	ब	ज़ा	दा	■
आ	ज्ञा	का	री	■	त्या	■	ती	स	रा

सुडोकू-पहेली-3345

6	3	1				7	9	
8					6	5	1	
	4							
				5			6	
	1			7			8	
	7	8					2	
		4		8				2
	8		9					
					5			1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3344 का उत्तर

5	9	4	1	6	7	8	3	2
3	2	1	4	8	5	6	7	9
6	8	7	2	9	3	1	4	5
9	5	2	3	7	1	4	8	6
1	4	8	5	2	6	7	9	3
7	6	3	8	4	9	5	2	1
8	1	6	9	3	4	2	5	7
2	7	9	6	5	8	3	1	4
4	3	5	7	1	2	9	6	8

विधानसभा चुनाव : जनता से जुड़ने की आस में उम्मीदवार रोटियां बेल रहे, दाढ़ी बना रहे और गा रहे कीर्तन

विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं। हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं।

हुगली के पुरसुराह में, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं। इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैंने पहले भी रोटियां बनाई हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है। गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं। मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की।

बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया। दुबराजपुर में, मौजूदा विधायक अनूप साहा ने चुनाव प्रचार के दौरान सड़क किनारे एक नाई को काम करते हुए देखकर कुछ देर के लिए प्रचार से विराम ले लिया। कुछ ही देर बाद, भाजपा उम्मीदवार हाथ में रेजर लिए एक आदमी की दाढ़ी बनाते नजर आये। उनका यह कदम जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास रहा।

झाड़ग्राम में गोपीबल्लभपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार राजेश महतो ने जनता से जुड़ने का एक अलग तरीका अपनाया। 'हरि नाम संकीर्तन' के साथ अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए, महतो ने ग्रामीणों के साथ भक्तिमय भजनों में भाग लिया और सभा के दौरान गुलाल भी खेला, जिसके बाद वे घर-घर जाकर प्रचार करने निकले।

यहां तक कि वामपंथी दल भी सार्वजनिक भागीदारी के इस नए प्रारूप के अनुकूल ढलते नजर आ रहे हैं। पानीहाटी में, माकपा के युवा उम्मीदवार कलतान दासगुप्ता ने चैतन्य महाप्रभु को समर्पित महोत्सवतला घाट मंदिर में प्रार्थना के साथ अपना प्रचार अभियान शुरू किया।

विधानसभा चुनाव : मतदान केंद्र के 100 मीटर में मोबाइल फोन प्रतिबंधित, चुनाव आयोग के कड़े निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : आगामी विधानसभा चुनावों में निष्पक्षता और मतदाताओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। मतदाताओं को अपने फोन या तो बंद (स्विच ऑफ) करने होंगे या साइलेंट मोड पर रखने होंगे। सुरक्षा के मद्देनजर, बूथ के बाहर फोन जमा करने की विशेष व्यवस्था की जाएगी, जहां से मतदान के बाद उन्हें वापस लिया जा सकेगा। वहीं, खबर यह भी

है कि इस बार बंगाल में चुनाव आयोग बूथों पर मतदाताओं का वोटर आई कार्ड जांच के लिए केंद्रीय बलों को अनुमति देने पर विचार कर रहा है।

❑ वोटर आईडी जांच के लिए केंद्रीय बलों पर विचार

मतदाताओं की उलझन दूर करने के लिए आयोग प्रत्येक बूथ के बाहर चार अलग-अलग श्रेणियों के पोस्टर लगाएगा। इन पोस्टरों में उम्मीदवारों के नाम, उनकी पृष्ठभूमि और मतदान की प्रक्रिया का विस्तृत विवरण होगा। इसके अलावा, वोटर कार्ड न होने की स्थिति में कौन से वैकल्पिक दस्तावेज मान्य होंगे, इसकी सूची भी प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी। 'क्या करें और क्या न करें' की जानकारी भी इन्हीं पोस्टरों के माध्यम से दी जाएगी।

❑ बूथों पर पेयजल, शौचालय, छाया जैसी बुनियादी सुविधाएं

निर्वाचन आयोग ने राज्य के सभी बूथों पर 'न्यूनतम बुनियादी सुविधाएं' सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। हर बूथ के पास एक 'वोटर सहायता केंद्र' होगा, जहां बीएलओ (बूथ स्तर के अधिकारी) मौजूद रहेंगे। वे मतदाताओं को उनके क्रमानुसार कमरा नंबर और बूथ खोजने में मदद करेंगे। साथ ही, भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल, पर्याप्त रोशनी, शौचालय और कतार में खड़े लोगों के लिए छाया की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैंप और गोपनीयता बनाए रखने के लिए अलग वोटिंग कंपार्टमेंट का भी प्रबंध रहेगा।

तृणमूल के दावों का खंडन करने के लिए भाजपा उम्मीदवार ने मछली लेकर किया प्रचार

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के एक उम्मीदवार ने रविवार को मछली साथ में लेकर अपना प्रचार किया। उनका मकसद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के इस दावे का खंडन करना था कि राज्य में सत्ता में आने पर भाजपा मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगा देगी। बिधाननगर सीट से उम्मीदवार डॉ. शरदवत मुखोपाध्याय का अनोखा प्रचार अभियान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वह बिधाननगर में मतदाताओं से बातचीत के दौरान एक बड़ी 'कतला' मछली लिए दिखे। मुखोपाध्याय ने तृणमूल कांग्रेस के दावे को दुष्प्रचार कहकर खारिज किया। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ झूठ फैलाया जा रहा है। हम अपनी पसंद के अनुसार मछली, मटन और चिकन खाएंगे। मैं आज यह मछली लेकर आया हूँ, जो बंगाली शादी के दिन दुल्हन के घर से दूल्हे के घर उपहार के रूप में भेजी जाती है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन कल दो दिवसीय बंगाल दौरे पर आएंगे

❑ पीएम मोदी 26 मार्च को बंगाल में कर सकते हैं प्रचार

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच पार्टी की प्रचार रणनीति को धार देने और संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लेने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 24 - 25 मार्च को बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। प्रदेश भाजपा के सूत्रों ने रविवार को बताया कि नवीन के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राज्य के पांचों संगठनात्मक क्षेत्रों (उत्तर बंगाल, राढ़ बंगाल, नवद्वीप, कोलकाता और हावड़ा-हुगली-मेदिनीपुर) के पार्टी नेतृत्व के साथ सीधी बैठक करना है। वे खुद जमीनी स्तर पर रिपोर्ट परखना चाहते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवीन मंगलवार की सुबह कोलकाता पहुंचेंगे और उसके बाद पार्टी नेताओं के साथ कई दौर की संगठनात्मक बैठक करेंगे। नवीन प्रदेश भाजपा की कोर कमेटी के साथ भी बैठक करेंगे। नितिन नवीन के दौरे के ठीक बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चुनाव प्रचार के लिए 26 मार्च को फिर बंगाल के दौरे पर आ सकते हैं। खबर है कि पीएम मोदी इस दौरे में आसनसोल व नदिया में जनसभा और रोड शो कर सकते हैं। हालांकि, पीएम के दौरे की सटीक तारीख की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

मौसम बना 'विलेन', उत्तर बंगाल में ममता बनर्जी का चुनाव प्रचार टला

कोलकाता : विधानसभा चुनाव 2026 से पहले ममता बनर्जी के चुनावी अभियान की शुरुआत पर मौसम ने ब्रेक लगा दिया है। तृणमूल सुप्रीमो का उत्तर बंगाल दौरा खराब मौसम के कारण फिलहाल टाल दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, 24 मार्च को अलीपुरद्वार से उनके प्रचार अभियान की शुरुआत होनी थी। इस दिन अलीपुरद्वार के अलावा मयनागुड़ी और माटीगाड़ा में भी जनसभाएं निर्धारित थीं। लेकिन प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने कार्यक्रम स्थगित करने का फैसला लिया।

अलीपुरद्वार के पुलिस अधीक्षक और तृणमूल के जिला नेतृत्व ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नई तारीख पर विचार किया जा रहा है। संभावना है कि अब 25 मार्च से उत्तर बंगाल में प्रचार शुरू हो सकता है, हालांकि इस पर अंतिम निर्णय अभी नहीं हुआ है।

दक्षिण बंगाल से भी तेज होगी प्रचार की शुरुआत

इधर, उत्तर बंगाल में कार्यक्रम टलने के बावजूद ममता बनर्जी दक्षिण बंगाल में भी समानांतर रूप से प्रचार अभियान शुरू करने जा रही हैं। इसके लिए उन्होंने बीरभूम जिले को चुना है, जिसे पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है।

26 मार्च को मयूरेश्वर विधानसभा क्षेत्र में उनकी बड़ी जनसभा प्रस्तावित है। इस सभा को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से पहले ममता बनर्जी पूरे राज्य में आक्रामक प्रचार रणनीति अपनाने की तैयारी में हैं, ताकि पार्टी की पकड़ और मजबूत की जा सके।

कोलकाता पुलिस आयुक्त ने थानों का किया दौरा, कहा... 'बूथ जाम और वोट रिगिंग बर्दाश्त नहीं'

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने रविवार को कई पुलिस थानों का दौरा किया। इसी क्रम में, कोलकाता के पुलिस आयुक्त ने रविवार की सुबह भांगड़ थाने का दौरा किया। कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने कहा कि शहर में विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान में धांधली या बूथ पर कब्जा करने की घटनाओं को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रख रहा है। पुलिस कर्मियों के साथ बैठक में पुलिस आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि सभी अधिकारियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन

करना चाहिए। उन्होंने यह भी दोहराया कि मतदान में धांधली या बूथ कैप्चरिंग से संबंधित किसी भी शिकायत को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि कोलकाता पुलिस शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। विभिन्न क्षेत्रों में चेकपॉइंट और तलाशी अभियान चल रहे हैं। केंद्रीय बलों के समन्वय से गश्त भी की जा रही है। अजय नंद ने आगे बताया कि चुनाव से पहले अतिरिक्त केंद्रीय बलों के आने की संभावना है।

प्रेसिडेंसी रेंज के डीआईजी ने तीन थानों का किया दौरा, तैयारियों की समीक्षा

प्रेसिडेंसी रेंज के डीआईजी कंकर प्रसाद बारुई ने भी दक्षिणी उपनगरों के तीन थानों नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बारुईपुर का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था और चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। इन क्षेत्रों में ग्रामीण इलाकों के कई मतदान केंद्र होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष योजना बनाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बूथों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे इंतजामों की विस्तृत जानकारी दी। कंकर प्रसाद बारुई ने कहा कि चुनाव की घोषणा के बाद से सभी तैयारियों की समीक्षा की जा रही है और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा हुई है। उन्होंने अधिकारियों से लेकर होमगार्ड तक सभी को पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, स्वतंत्र और भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो तथा चुनाव आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

नाका जांच में पूर्व विधायक की गाड़ी से हथियार बरामद, छह गिरफ्तार

मालदह : जिले में नाका जांच के दौरान पूर्व विधायक की गाड़ी से कथित तौर पर एक आग्नेयास्त्र बरामद होने के बाद पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। रविवार को पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने शनिवार की रात मालदह थाने की टीम ने 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओल्ड मालदह के चेचुमोड़ इलाके में नाका प्वाइंट बनाकर वाहनों की तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान मानिकचक के पूर्व विधायक और जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष मोत्ताकिन आलम की गाड़ी वहां से गुजर रही थी, जिसमें छह युवक सवार थे। पुलिस ने गाड़ी को रोककर तलाशी ली, जिसके दौरान एक पिस्तौल बरामद होने का दावा किया गया। बरामद हथियार के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने पर पुलिस ने गाड़ी में सवार सभी छह युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

आठ दिनों में 13 जिलों का दौरा करेंगे अभिषेक, 24 मार्च से चुनावी प्रचार शुरू

कोलकाता : निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में अभिषेक बनर्जी 24 मार्च से राज्यभर में व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, अभिषेक 24 से 31 मार्च तक लगातार आठ दिनों में 13 जिलों का दौरा करेंगे और कई जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम के तहत 24 मार्च को दक्षिण 24 परगना के पाथरप्रतिमा में पहली सभा होगी। 25 मार्च को पश्चिम मेदिनीपुर के दासपुर (घाटाल) में दोपहर 12 बजे सभा

के साथ केशियाड़ी और नारायणगढ़ में भी कार्यक्रम तय हैं। इसी दिन पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम में भी कार्यकर्ता सभा करेंगे।

26 मार्च को वह उत्तर बंगाल का रुख करेंगे, जहां कूचबिहार के नटाबाड़ी, जलपाईगुड़ी के धूपगुड़ी और अलीपुरद्वार के कालचिनी में सभाएं प्रस्तावित हैं। 27 मार्च को झाड़ग्राम के बिनपुर, पांशकुड़ा और कुलपी में सभाएं होंगी।

इसके बाद 28 मार्च को बालुरघाट, तपन, मानिकचक और सागरदिघी, 29 मार्च को दुबराजपुर, नाउदा और संदेशखाली, 30 मार्च को बाघमुंडी और कांथी तथा 31 मार्च को शीतलकुची, राजगंज और फालाकाटा में सभाएं निर्धारित हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इतने कम समय में व्यापक दौरा कर अभिषेक बनर्जी पूरे राज्य में संगठन को मजबूत करने और मतदाताओं तक सीधा संदेश पहुंचाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

2026 विधानसभा चुनाव: भाजपा की उम्मीदवार सूची ने 'विकसित पश्चिम बंगाल' के एजेंडे को दी नई दिशा

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा द्वारा 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए जारी उम्मीदवारों की सूची ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। पार्टी का कहना है कि यह सूची प्रदर्शन, समावेशिता और पेशेवर क्षमता के संतुलन को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। शुरुआती चरणों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा के बाद राज्य भर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत रैलियां निकालकर इसे आसोल परिवर्तन की दिशा में अहम कदम बताया है। पार्टी ने कुछ सीटों पर हाई-प्रोफाइल मुकाबले भी तय किए हैं। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को भवानीपुर और नंदीग्राम से मैदान में उतारकर

पार्टी ने खुद को सत्ताधारी दल के खिलाफ मुख्य चुनौती के रूप में पेश करने की रणनीति बनाई है, जिससे सत्ता विरोधी वोटों को एकजुट करने की कोशिश की जा रही है।

उम्मीदवार सूची में विविध प्रतिनिधित्व पर भी जोर दिया गया है। पार्टी ने महिलाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से आने वाले उम्मीदवारों को भी प्रमुखता दी है। रेखा पात्रा और सावित्री बर्मन जैसे नामों को शामिल कर भाजपा ने इन वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है। इसके अलावा, पार्टी ने जन-अपील वाले चेहरों को भी मैदान में उतारा है। अभिनेत्री और नेता रूपा गांगुली, अशोक डिंडा और स्वपन दासगुप्ता जैसे उम्मीदवारों को उतारकर युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग के बीच समर्थन बढ़ाने की रणनीति अपनाई गई है। साथ ही कई सीटों पर स्थानीय स्तर पर सक्रिय जमीनी नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को भी टिकट देकर संगठन की जड़ों को मजबूत करने की कोशिश की गई है।

उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कुछ क्षेत्रों में शुरुआती असंतोष और विरोध की घटनाएं सामने आई थीं। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने संवाद और संगठनात्मक अनुशासन के माध्यम से इन मुद्दों को सुलझाने का दावा किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य सहित वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उनकी चिंताओं को सुना और समाधान निकाला। पार्टी के मुताबिक, अब सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। भाजपा का कहना है कि चयनित उम्मीदवार केवल राजनीतिक प्रतिनिधि नहीं, बल्कि बिकसित पश्चिम बंगाल के उसके विजन को आगे बढ़ाने वाले प्रतिनिधि होंगे।

हुमायूं कबीर ने 153 उम्मीदवारों की सूची जारी की, कई हैवीवेट शामिल

❑ बुधवार को कोलकाता में घोषित किए जाएंगे बाकी नाम, 28 मार्च को जारी होगा घोषणा पत्र

मुर्शिदाबाद : विधानसभा चुनाव से पहले हुमायूं कबीर की अगुवाई वाली आम जनता उन्नयन पार्टी ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करते हुए 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया। पार्टी ने फिलहाल 153 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी अध्यक्ष ने अन्य नेताओं की मौजूदगी में सूची जारी की। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि इस बार वाम दलों या आईएसएफ के साथ किसी भी तरह का गठबंधन नहीं हुआ है। घोषित सूची के अनुसार, राज्य के दो हाई-प्रोफाइल सीटों

नंदीग्राम और भवानीपुर से भी पार्टी ने उम्मीदवार उतारे हैं। मुर्शिदाबाद जिले की रेजिनगर और नोउदा सीट से स्वयं हुमायूं कबीर चुनाव लड़ेंगे। जिले की कुल 22 सीटों में से 10 पर उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, रानीनगर सीट से मंत्री फिरहाद हाकिम के पूर्व दामाद यासिर हैदर को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, हुमायूं कबीर की छोड़ी हुई भरतपुर सीट से पीरजादा खोयाएब अमीन को टिकट दिया गया है। नंदीग्राम से शाहिदुल हक और भवानीपुर से पूनम बेगम को उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने बताया कि शेष सीटों पर उम्मीदवारों के नाम 25 मार्च को कोलकाता में घोषित किए जाएंगे, जबकि चुनावी घोषणा पत्र 28 मार्च को जारी किया जाएगा। घोषणा पत्र में स्वास्थ्य, महंगाई, राज्य की कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी गई है। इस बीच, उत्तर दिनाजपुर जिले की इस्लामपुर सीट को लेकर भी सियासी अटकलें तेज हैं। तृणमूल कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने वाले अब्दुल करीम चौधरी के हुमायूं कबीर की पार्टी में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में इस सीट पर उम्मीदवार की घोषणा फिलहाल टाल दी गई है।

ओवैसी ने हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ गठबंधन का किया एलान

हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बड़ा एलान करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन इस बार चुनाव हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ मिलकर लड़ेगी। असदुद्दीन ओवैसी ने बताया कि 25 मार्च को कोलकाता में वह हुमायूं कबीर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे, जहां इस गठबंधन की पूरी रणनीति सामने रखी जाएगी। इस गठबंधन में एआईएमआईएम को करीब 8 सीटें मिल सकती हैं।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

शिक्षकों ने मुख्यमंत्री ममता से की 7वें वेतन आयोग को लागू करने की मांग

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक और शिक्षा कर्मियों के संगठन ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से राज्य के शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के दायरे में लाने की मांग की है। संगठन की ओर से भेजे गए पत्र में मुख्यमंत्री से इस मामले में तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। संगठन के एक सदस्य ने रविवार को बताया कि मांग के संबंध में एक पत्र शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भेजा गया था। पत्र में कहा गया है कि फरवरी में राज्य का बजट पेश करते समय मुख्यमंत्री ने 7वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। उस समय विधानसभा में दिए गए बयान के अनुसार, यह संकेत है कि इस आयोग के लाभ मुख्य रूप से सरकारी कर्मचारियों पर लागू होंगे। हालांकि, संगठन का कहना है कि शिक्षकों, शिक्षा कर्मचारियों और सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों की स्थिति स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई थी। संगठन का यह भी कहना है कि शिक्षक और शिक्षा कर्मचारी लंबे समय से राज्य की शिक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। उनका यह तर्क है कि उन्हें 7वें वेतन आयोग के दायरे में लाना उनके वेतन ढांचे, वित्तीय सुरक्षा और कार्य परिस्थितियों को सुधारने के लिए जरूरी है। संगठन ने चेताया कि अगर लाभ सिर्फ सरकारी कर्मचारियों तक सीमित रहेंगे, तो शिक्षा क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा वंचित रह जाएगा। पत्र में यह भी कहा गया है कि आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए, ऐसे महत्वपूर्ण फैसले में भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण कर्मचारियों में असंतोष पैदा कर सकता है। संगठन ने आयोग के दिशानिर्देशों का तुरंत प्रकाशन करने की मांग की है, ताकि सभी योग्य कर्मचारियों, जिनमें शिक्षक और शिक्षा कर्मचारी शामिल हैं, को शामिल किया जा सके। संगठन के नेता स्वपान मंडल की ओर से हस्ताक्षरित इस पत्र में शीघ्र प्रशासनिक कार्रवाई की अपील की गई है।

बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान रूट मार्च पर निकले जवान से हाथ मिलाता मासूम- लोकतंत्र के पर्व में सुरक्षा और भरोसे की झलक। फोटोः कुणाल मल्लिक

आरजी कर अस्पताल लिफ्ट हादसा : जांचकर्ता सुरक्षा चूक समेत अन्य खामियों की जांच में जुटे

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर अस्पताल की लिफ्ट में फंसकर एक व्यक्ति की मौत होने के मामले की पड़ताल कर रहे जांचकर्ता संभावित सुरक्षा चूक और मानवीय त्रुटि की जांच कर रहे हैं, जबकि रिकॉर्ड से पता चलता है कि लिफ्ट हाल ही में नियमित निरीक्षण में ठीक पायी गई थी। जांचकर्ता कई पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन में कोई चूक हुई, लिफ्ट रखरखाव एजेंसी को सूचित करने में कोई देरी हुई और क्या शुक्रवार की घटना के समय किसी ने लिफ्ट के 'मशीन रूम' में प्रवेश किया था? अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि लिफ्ट इस महीने की शुरुआत में हुए निरीक्षण में ठीक पाई गई थी। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या रखरखाव, निगरानी या प्रतिक्रिया में कोई चूक हुई थी जिसके कारण यह दुर्घटना हुई? उन्होंने कहा कि इस स्तर पर किसी भी आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, हाल में लिफ्ट की 25 . 30 दिनों के निरीक्षण चक्र के हिस्से के रूप में एक मानक जांच की गई थी और कोई बड़ी खराबी नहीं पाई गई थी।

पारिवारिक विवाद में पति ने की पत्नी की हत्या, बचाने आई भाभी पर हमला

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के शिमुराली इलाके में रविवार को पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। इस दौरान बीच-बचाव करने आई अपनी भाभी पर भी उसने हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृत महिला की पहचान तितु विश्वास (27) के रूप में हुई है, जिनकी शादी करीब दस साल पहले शिमुराली निवासी अहींद्र विश्वास से हुई थी। दंपति की एक आठ-नौ साल की बेटी भी है। मिली जानकारी के अनुसार, अहींद्र पेशे से झोलाछाप चिकित्सक है और पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। रविवार की सुबह यह विवाद अचानक बढ़ गया। आरोपित बाजार से लौटने के बाद फिर से पत्नी के साथ झगड़े में उलझ गया, जिसके बाद उसने कथित तौर पर इस वारदात को अंजाम दिया। मृत महिला की मां असीमा सरकार ने आरोप लगाया कि उनके दामाद ने उनकी बेटी की हत्या की है और वे इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगी। वहीं, मृत महिला के पिता ने भी कहा कि दामाद उनकी बेटी को परिवार से बात करने नहीं देता था और इसी को लेकर अक्सर झगड़े होते थे। आरोपित की भाभी अर्पणा विश्वास ने बताया कि चीख सुनकर जब वह मौके पर पहुंचीं तो आरोपित ने उन पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गईं। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने तलाशी अभियान चलाकर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

चुनाव प्रचार के दौरान मीडिया के सामने अपनी बातें रखती भाजपा प्रत्याशी लॉकेट चटर्जी

मालदह में बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत

मालदह : मालदह जिले में एक स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वहीं, बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर अभियान से संबंधित अत्यधिक कार्यभार के कारण उनकी मौत हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उत्पल ठाकुर (54) के रूप में हुई है। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उत्पल ठाकुर को शनिवार की रात करीब 10.30 बजे दिल का दौरा पड़ा और बाद में उनकी मौत हो गई। निर्वाचन आयोग के सूत्रों के अनुसार, वह चंचल-द्वितीय ब्लॉक के चंद्रपारा ग्राम पंचायत के अंतर्गत नाडापारा में बूथ संख्या 93 पर बूथ स्तरीय अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। ठाकुर, एक स्कूल में पैरा-टीचर भी थे। ठाकुर की पत्नी ने कहा कि मेरे पति ने एसआईआर प्रक्रिया में बहुत मेहनत की लेकिन काम के तनाव को सहन नहीं कर पाए और उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। मुझे नहीं पता कि मैं परिवार कैसे चलाऊंगी। हमें उम्मीद है कि सरकार मेरी बेटियों की और मेरी मदद करेगी।

चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल प्रत्याशी अतिन घोष ने दिखाया दम।

स्थानीय लोगों से बात कर वोट देने का आग्रह करते भाजपा प्रत्याशी तरुण ज्योति तिवारी

लोक भवन में मनाया गया बिहार राज्य स्थापना दिवस

कोलकाता, समाज्ञा : 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ बिहार राज्य स्थापना दिवस का भव्य आयोजन लोक भवन में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल आर. एन. रवि अपनी धर्मपत्नी लक्ष्मी रवि के साथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत राज्यपाल के आगमन और प्रदर्शनी अवलोकन से हुई। इसके बाद, दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया गया। बिहार फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष निशांत कुमार सिंह ने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला, जबकि राज्यपाल ने अपने संबोधन में बिहार के ऐतिहासिक महत्व और देश की एकता में उसकी भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों और संस्थानों के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक गीत, लोक नृत्य, छठ पूजा की प्रस्तुति और कविता पाठ ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ईस्टर्न ज़ोनल कल्चरल सेंटर द्वारा प्रस्तुत झिझिया और सामा-चकेवा नृत्य विशेष आकर्षण रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान और हाई-टी के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और अतिथि शामिल हुए।

डोमकल में जमीन विवाद में महिला की पीट-पीटकर हत्या, इलाके में सनसनी

मुर्शिदाबाद : जिले के डोमकल इलाके में जमीन विवाद को लेकर एक महिला की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृत महिला की पहचान पारविना खातून के रूप में हुई है, जो जलंगी के फरिदपुर की रहने वाली थी। वह डोमकल निवासी होबी मंडल की तीसरी पत्नी थी। बताया गया है कि करीब दो साल पहले दोनों की शादी हुई थी और शादी की शर्त के तौर पर पारविना के नाम दो कट्ठा जमीन लिखी गई थी। मृत महिला के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल वाले उस जमीन को वापस लेने के लिए दबाव बना रहे थे। जमीन लौटाने से इनकार करने पर पारविना को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों का आरोप है कि इसी विवाद के चलते रविवार को पारविना की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे मामले की जांच जारी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूर्व रेलवे ने सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने हेतु बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण उपलब्धियां की हासिल

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग ने फरवरी 2026 के दौरान बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए सुरक्षा, दक्षता और आधुनिक ट्रैक रखरखाव की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग ने सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 11 मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग गेटों को समाप्त कर उनकी जगह सीमित ऊंचाई वाले सबवे (एलए-चएस) और वैकल्पिक मार्ग विकसित किए हैं, जिससे रेल और सड़क यातायात के बीच संभावित टकराव पूरी तरह खत्म हो गया है। इसके साथ ही नेटवर्क की मजबूती बढ़ाने के लिए 13 पुलों का पुनर्वास, 9 पुलों का री-ग्रेडिंग कार्य तथा महत्वपूर्ण स्थानों पर 9 नए साइड पाथवे का निर्माण किया गया है, जिससे ग्राउंड स्टाफ की सुरक्षित आवाजाही और निगरानी सुनिश्चित हुई है। सियालदह मंडल में तकनीकी सुधार के तहत 7 फोर्स्ड लेआउट्स को ठीक किया गया, जो ट्रेनों की सुचारू आवाजाही और रोलिंग स्टॉक पर पड़ने वाले दबाव को कम करने में सहायक है। वहीं, ट्रैक रखरखाव को आधुनिक बनाने के तहत 41.75 समतुल्य थ्रू टर्नआउट रिन्यूअल (टीटीआर) कार्य पूरे किए गए, 1,320 किलोमीटर रेल पटरियों की अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन जांच की गई तथा 1,06,270 घन मीटर बैलास्ट बिछाया गया, जिससे ट्रैक की स्थिरता और परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है। इस संबंध में पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि ये उपलब्धियां रेलवे की सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और उन्नत तकनीकों के उपयोग से यात्रियों के लिए अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय रेल सेवा सुनिश्चित की जा रही है।

ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग केंद्र मैं पत्रकारों एवं पत्रकारिता से संबंधित भाई बहनों के लिए कर्मयोग तथा समाधान केन्द्रित पत्रकारिता पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अंजनी पुत्र सेना ने राम नवमी शोभायात्रा के लिए तेज किया प्रचार अभियान

हावड़ा, समाज्ञा : अंजनी पुत्र सेना ने 26 मार्च को आयोजित होने वाली भव्य और ऐतिहासिक राम नवमी शोभायात्रा को लेकर प्रचार-प्रसार तेज कर दिया है। इसी क्रम में शोभायात्रा मार्ग पर अवनि मॉल स्थित प्राचीन नरसिंह मंदिर से लेकर जी.टी. रोड होते हुए हावड़ा मैदान मेट्रो स्टेशन क्षेत्र तक भगवा झंडे लगाए गए। साथ ही दोपहिया वाहन चालकों के लिए अंजनी पुत्र सेना के प्रतीक चिह्न वाले ध्वज बाइक, स्कूटर, स्कूटी और साइकिल चालकों को भेंट किए गए। संस्था के कार्यकर्ताओं ने पूरे शोभायात्रा मार्ग और हावड़ा के विभिन्न क्षेत्रों में पोस्टर भी लगाए। इस दौरान जय श्री राम के जयकारों के साथ प्रचार वाहन के जरिए लोगों को शोभायात्रा में शामिल होने का आह्वान किया गया। कई कार्यकर्ता बाइक पर भगवा ध्वज लहराते हुए उत्साह के साथ प्रचार करते नजर आए। अंजनी पुत्र सेना द्वारा की जा रही भव्य तैयारियों को देखकर स्थानीय लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। आम जनमानस ने शोभायात्रा को लेकर खुशी और उत्सुकता व्यक्त की।

रात से लापता व्यक्ति का शव नाले में मिला, पानीहाटी में रहस्यमय मौत से सनसनी

कोलकाता : उत्तर 24 परगना के पानीहाटी इलाके में एक 59 वर्षीय व्यक्ति की रहस्यमय मौत से हड़कंप मच गया। रात से लापता व्यक्ति का शव रविवार सुबह एक नाले से बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सुभाष बक्सी के रूप में हुई है। वह पानीहाटी नगरपालिका के 19 नंबर वार्ड स्थित कालीतला इलाके में एक कार्यक्रम में खाना बनाने का काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब 12 बजे वह घर से यह कहकर निकले थे कि वह मैच देखने जा रहे हैं, जिसके बाद से वह लापता थे। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने इलाके के एक नाले में उनका शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। घोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के कारणों को लेकर फिलहाल रहस्य बना हुआ है।

भाजपा प्रत्याशी सजल घोष के लिए प्रचार में उतरे वरिष्ठ नेता सुकांता मजूमदार व तापस राय

भांगड़ में आईएसएफ व टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प

- पत्थरबाजी और तोड़फोड़ के बाद कई घायल
- चुनाव प्रचार के लिए दीवार पर लिखने को लेकर विवाद

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना के भांगड़ में रविवार को चुनाव प्रचार के लिए दीवार की जगह को लेकर आईएसएफ और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच में जमकर मारपीट हुई। पत्थरबाजी और मोटरसाइकिलों में तोड़फोड़ की गई । स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात किया गया। जानकारी के मुताबिक, आईएसएफ के कार्यकर्ता भांगड़ ब्लॉक-2 के कुलबेरिया इलाके में दीवारों पर चुनावी संदेश लिख रहे थे, तभी कथित तौर पर तृणमूल के सदस्यों ने उन्हें रोक दिया। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। इस झड़प में दोनों तरफ के कई लोग घायल हो गए। आईएसएफ ने आरोप लगाया कि पुलिस की मौजूदगी में उसके कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया। यह भी दावा किया कि उसके कार्यकर्ताओं के घरों पर ईंटें फेंकी गई और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। हालांकि, टीएमसी ने पलटवार करते हुए आईएसएफ पर हिंसा शुरू करने का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही पोलरहाट थाने के पुलिस कर्मी केंद्रीय बलों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

भारत विकास परिषद दक्षिण कोलकता शाखा की नवीन कार्यकारिणी समिति गठित

कोलकाता, समाज्ञा : रविवार की दोपहर आयोजित एक गणतंत्रीय कार्यक्रम में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ। जिसमें सभापति का उत्तरदायित्व अभिषेक तोसनीवाल, वित्तीय सचिव का उतरदायित्व सी. के. दमानी तथा शाखा सचिव का उत्तरदायित्व डॉ. ए. पी. राय को दिया गया। कार्यक्रम में भूतपूर्व अध्यक्ष राकेश गुप्ता, वयोवृद्ध सक्रिय सदस्य अमरनाथ के साथ वर्तमान अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सचिव विपिन राय एवं वित्तीय सचिव मारुति के साथ राजकीय जेनरल सचिव गोपा दे और कमल शर्मा के साथ-साथ अनेक वरिष्ठ गणमान्य सदस्यों की उपस्थिती रही।

जोर-शोर से चुनाव प्रचार करते तृणमूल प्रत्याशी विजय उपाध्याय, साथ में हैं तपन राय, शंकर श्रीवास्तव, व अन्य

रामनवमी से पहले नंदीग्राम में मूर्ति तोड़े जाने पर बवाल, शुभेंदु अधिकारी ने किया प्रदर्शन

भाजपा नेता ने हिंदू भावनाओं को आहत करने का लगाया आरोप

पूर्व मेदिनीपुर : रामनवमी से पहले मूर्ति तोड़े जाने की घटना से भाजपा का गुस्सा फूट पड़ा है। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने इसके खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। घटना पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम में हुई है। शुभेंदु अधिकारी को जैसे ही निर्माणाधीन प्रतिमा को तोड़े जाने की खबर मिली, उन्होंने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर अपने गुस्से का इजहार किया। बाद में, उन्होंने नंदीग्राम जाकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस से मांग की कि जिस किसी ने भगवान की मूर्ति को तोड़ा है, उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाये। नंदीग्राम के रेयापाड़ा में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं और इलाके के आम लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले भाजपा नेता ने ट्वीट कर कहा था कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख करीब आ रही है, ऐसी घटनाएं तनाव बढ़ रही हैं। अगर ऐसे लोगों की पहचान करके जल्द से जल्द उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस घटना के पीछे जेहादियों का हाथ है। उन्होंने इस घटना को सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस की 'तुष्टिकरण की नीति' से जोड़ा। शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि सरकार के संरक्षण में असामाजिक तत्व हिंदू भावनाओं को आहत कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इलाके में भारी बल तैनात कर दिया है।

हावड़ा में रामनवमी को लेकर सख्त सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस कमिश्नर ने थानों का किया दौरा

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा में पुलिस प्रशासन द्वारा आगामी रामनवमी और राज्य विधानसभा चुनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस बार पिछले साल की तुलना में अधिक पुलिस बल तैनात किया जाएगा। हावड़ा के पुलिस कमिश्नर अखिलेश चतुर्वेदी ने बताया कि सभी व्यवस्थाएं कोलकाता हाई कोर्ट के निर्देशों और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार की जा रही हैं, ताकि त्योहार और चुनाव दोनों शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सकें।

रविवार को पुलिस कमिश्नर अखिलेश चतुर्वेदी ने हावड़ा सिटी पुलिस के कई थाना क्षेत्रों का दौरा किया और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक थाने के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, चुनाव आयोग के पुलिस पर्यवेक्षक ने भी हावड़ा के विभिन्न थानों का निरीक्षण कर चुनाव के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। जगाच्छा थाना में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पुलिस कमिश्नर ने कहा कि हिंसा-मुक्त, प्रभाव-मुक्त और भय-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को फर्जी मतदान रोकने, बूथों के आसपास किसी भी तरह की भीड़ या जाम न होने देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इन छह महत्वपूर्ण निर्देशों के बारे में सभी थानों के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से अवगत करा दिया गया है, ताकि चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

शिबपुर से भाजपा उम्मीदवार रुद्रनील घोष ने शुरू किया डोर-टू-डोर कैंपेन

हावड़ा, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। शिबपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रुद्रलीन घोष ने रविवार को हावड़ा में घर-घर जाकर चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया। रुद्रनील घोष ने शिबपुर क्षेत्र में डोर-टू-डोर कैंपेन करते हुए स्थानीय मतदाताओं से मुलाकात की और आगामी चुनाव में भाजपा के पक्ष में समर्थन देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। प्रचार के दौरान उन्होंने एक महिला मतदाता का अभिवादन भी किया। राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले हैं, जिसके मद्देनजर सभी राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार अभियान में जुट गए हैं।

अखिल भारतीय आजमगढ़ सेवा संघ का रक्तदान शिविर संपन्न, 78 लोगों ने किया रक्तदान

हावड़ा : अखिल भारतीय आजमगढ़ सेवा संघ द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्था के कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भरूका रिसर्च सेंटर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 78 लोगों ने रक्तदान कर महादान में अपना योगदान दिया। इस महादान के कार्यक्रम में कई लोगों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि धीरेंद्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया, इनके अलावा महेश्तला एक नंबर वार्ड के पार्षद सत्येंद्र सिंह, हरिमोहन सिंह अपने विशिष्ट मित्रों के साथ उपस्थित हुए। वहीं, अन्य अतिथियों में प्रसिद्ध समाजसेवी नवीन मिश्रा, श्याम मलिक, भोला सोनकर अपने ईस्ट मित्रों के साथ मौजूद थे। इनके अलावा भारत क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ सदस्य सुजीत सिंह, कपिल देव जी, दीपक जी, सुनील सिंह जी, लक्ष्मी नारायण सिंह जी, ललन सिंह जी व संस्था के अन्य सदस्य उप-स्थित हुए, क्षत्रिय समाज टीटागढ़ के विजय सिंह, टुनटुन सिंह, संजू सिंह, अवध समाज के तारकेश्वर दुबे ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। लिलुआ से शिव शंकर सिंह, शिव कुमार सिंह,एडवोकेट विजय सिंह उपस्थित थे। अखिल भारतीय आजमगढ़ सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्य ब्रह्मदेव जायसवाल, गंगा सिंह, अध्यक्ष रामानुज सिंह, बैजनाथ चौधरी ब्लड डोनेशन कैंप के संचालक राज कपूर तिवारी, अशोक पांडे, अशोक अग्रवाल, बी मल्लाजी, राजेश अरोड़ा उपेंद्र दुबे राम अवध सिंह, अनिल सिंह, कृष्णकांत सिंह, अजीत दुबे, शैलेंद्र सिंह, अनिल सिंह बालिया, जयराम सिंह, जय नारायण सिंह,जसवंत सिंह, सुजीत सिंह, मनोज सिंह, आशुतोष सिंह, कुंदन सिंह, योगेंद्र सिंह, राजेश सिंह, विमल दीक्षित, प्रवीण सिंह, रवि सिंह, ओमप्रकाश सिंह और संस्था के अन्य सदस्यों ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। अध्यक्ष रामानुज सिंह ने समूह को धन्यवाद देकर समूह के प्रति आभार प्रकट किया।

एसआईआर ने राज्य में स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर को खत्म कर दिया : सागरिका घोष

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने कहा कि राज्य में स्थानीय स्तर पर जो सत्ता-विरोधी लहर थी, वह एसआईआर प्रक्रिया के प्रभाव से काफी हद तक दब गयी है, जिससे आगामी विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट रूप से भाजपा से बेहतर है। उन्होंने कहा कि नेता के रूप में ममता बनर्जी के खिलाफ उनके समर्थकों में कोई असंतोष नहीं है। उन्होंने कहा कि असंतोष कुछ स्थानीय नेताओं के खिलाफ हो सकता है, जिन्हें इस बार टिकट नहीं दिया गया। घोष ने कहा कि भाजपा का एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल कर ममता बनर्जी को हराने और किसी भी तरह पश्चिम बंगाल पर कब्जा करने का था, क्योंकि वह पिछले 15 वर्षों से लगातार भाजपा को हराती रही हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन यह कदम उल्टा पड़ गया और तृणमूल को फायदा मिला। अगर कहीं स्थानीय स्तर पर सत्ता-विरोधी लहर थी भी, तो वह एसआईआर के कारण पूरी तरह दब गई। यह भाजपा की बड़ी गलती थी। वे जितने नाम हटाना चाहें, हटा लें, हम फिर भी जीतेंगे। तृणमूल सांसद ने कहा कि जल्दबाजी में लागू विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ माहौल बना दिया है। एसआईआर में आम लोगों के साथ ही नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन, पूर्व मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, मंत्री शशि पांजा और क्रिकेटर ऋचा घोष जैसे लोगों की नागरिकता पर भी सवाल खड़े किए।

भाजपा ही रोक सकती है राज्य में घुसपैठ : दिलीप घोष

पश्चिम मेदिनीपुर : दिलीप घोष ने रविवार को खड़गपुर में स्वामी प्रणवानंद के 131वें पुण्य आविर्भाव के अवसर पर भारत सेवाश्रम संघ द्वारा आयोजित वार्षिक महोत्सव में शिरकत कर जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की उपस्थिति देखी गई, जहां घोष ने अपने संबोधन में राज्य में मुख्य मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। सुबह से ही खड़गपुर में सभा को संबोधित करते हुए घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'घुसपैठिया' कहा। घोष ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पिछले दो दशकों में अवैध वोट बैंक तैयार कर राजनीति की गई है, जबकि आम जनता के अधिकार, सुरक्षा और भविष्य की अनदेखी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल वोट बढ़ाने की राजनीति के कारण राज्य की स्थिति प्रभावित हुई है। घोष ने कहा कि बंगाल की जनता अब सब समझ रही है और परिवर्तन के पक्ष में खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही घुसपैठ रोककर राज्य की सुरक्षा और हितों की रक्षा कर सकती है।

ब्रह्मर्षि रक्षक प्रहरी ने ब्रह्मर्षि भाई का किया सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : ब्रह्मर्षि रक्षक प्रहरी परिवार ने न्यूटाउन मे आए आजमगढ़ ज़िले संविधान सभा के निर्माण में अहम योगदान देने वाले पंडित अलगू राय शास्त्री और स्वतंत्रता सेनानी, हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य झारखंडेय राय की धरती के रहने वाले ब्रह्मर्षि भाई ओमकार राय आगमन हुआ। ब्रह्मर्षि रक्षक प्रहरी के तत्वावधान में स्मृति चिन्ह, सुंदरकांड पुस्तक, बैग और डायरी दे कर स्वागत किया गया। ऑनलाइन के माध्यम से समाज्ञा हिन्दी देनिक के संपादक अनिल राय, तारकेशवर राय, उमेश मिश्रा, राहुल ठाकुर, धीरज कुमार इत्यादी उपस्थित थे।

पदभार सँभालते ही एक्शन मोड़ में ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने थानों का दौरा

हुगली : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां कितनी मुकम्मल हैं, इसका जायजा लेने के लिए हुगली ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न थानों का दौरा किया। चुनाव आयोग ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि इस बार विधानसभा चुनाव पूरी तरह से स्वतंत्र और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जाएगा। इसी के मद्देनज़र राज्य प्रशासन में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। हुगली जिले में भी प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। हुगली ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक कामनाशीष सेन का तबादला कर उनकी जगह सनी राज को नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

नए पुलिस अधीक्षक सनी राज ने आज धनियाखाली, गुड़ाप, दादपुर और पोलबा थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार बिना किसी हिंसा के मतदान कराना सुनिश्चित किया जाएगा। सभी अधिकारी पूरी तरह तैयार हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस प्रशासन का पूरा ध्यान इस बात पर है कि चुनाव निष्पक्षता के साथ संपन्न हो। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी।

आर्य समाज कलकत्ता का वार्षिक साधारण सभा संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : आर्य समाज कलकत्ता का वार्षिक साधारण सभा रविवार को आर्य समाज मंदिर में प्रधान दीपक आर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। सभा मंत्री ध्रुवचन्द के नेतृत्व में हीरालाल एवं श्री श्री कृष्ण कुमार वार्षिक कार्य विवरण एवं आय - व्यय प्रस्तुत किया। वर्ष 2026 2027 का अनुमानित आय व्यय प्रस्तुत किया। आगामी वर्ष 2026-2027 के कार्यकारिणी अधिकारियों एवं सदस्यों का निर्वाचन किया गया। आगामी वर्ष 2026-2027 के लिए प्रधान दीपूक दीपक आर्य, मंत्री ध्रुवचन्द जायसवाल एवं कोषाध्यक्ष राजमणि वर्मा निर्वाचित हुये। सभा के अंत मे प्रधान दीपक आर्य ने सभी को धन्यवाद करते हुए साधारण सभा के सम्पन्न होने की घोषणा की।

सरकारी घोषणा के प्रचार के लिए 'पुलिस कल्याण समिति' के बैनर के उपयोग का आरोप

भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा ने चुनाव आयोग को ममता सरकार के खिलाफ एक ज्ञापन सौपा जिसमें शिकायत की गई कि राज्य पुलिस कल्याण समिति द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे एक बैनर से संबंधित है, जो चुनावों की घोषणा के बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा हाल ही में घोषित महंगाई भत्ते (डीए) के बकाया राशि का प्रचार कर रहा है। जैसा कि यह बैनर प्रसारित किया जा रहा है, यह एक पुलिस कल्याण संस्था के नाम और मंच का उपयोग करके, सरकार के एक निर्णय की सराहना और उसका प्रचार करता है। इस प्रकार, यह पुलिस बल और उससे जुड़ी संस्थाओं की निष्पक्षता और गैर-पक्षपाती चरित्र के बारे में चिंताएं पैदा करता है। पत्र में कहा गया कि आयोग ने पुलिस मुख्यालय में संचालित टीएमसी के इस मुखौटा संगठन को बंद करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने अनुरोध किया हैं कि इस संगठन के कार्यालयों को सील करने के लिए तत्काल कदम उठाएं, और इसमें शामिल पुलिस कर्मियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करें, जिसमें वह डीसी भी शामिल है जो इस संगठन का प्रमुख है।

रिषड़ा में दीवार लेखन को लेकर भाजपा-तृणमूल कार्यकर्ताओं में झड़प

हुगली, समाज्ञा : जिले के रिषड़ा में रविवार को दीवार लेखन को लेकर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। घटना रिषड़ा के 19 नंबर वार्ड के ताड़ बागान इलाके की है, जहां एक दीवार पर कब्जे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। तृणमूल युवा कांग्रेस के नेता विशाल सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी ने दीवार के मालिक से अनुमति लेकर उस पर सफेदी कराई थी और तृणमूल उम्मीदवार तन्मय घोष के प्रचार के लिए दीवार लेखन की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान भाजपा के कुछ कार्यकर्ता वहां पहुंचे और दीवार पर भाजपा लिखने लगे। उन्होंने कहा कि जब तृणमूल के वार्ड सचिव हरेंद्र तिवारी और उन्होंने इसका विरोध किया, तो भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ तीखी बहस हो गई, जो बाद में धक्का-मुक्की में बदल गई। विशाल सिंह का आरोप है कि इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता सत्येंद्र सिंह ने उनके साथ मारपीट की। हालांकि, स्थानीय लोगों की मध्यस्थता के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। सूचना मिलने पर श्रीरामपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

लालगोला पंचायत पर तृणमूल का कब्जा

मुर्शिदाबाद : लालगोला में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस संचालित पंचायत समिति के कई सदस्य पार्टी छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। सोमवार को दो और सदस्यों के तृणमूल में शामिल होने की संभावना है। इसके चलते पंचायत बोर्ड कांग्रेस के हाथ से निकल गया। रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में लालगोला पंचायत समिति की अध्यक्ष लक्ष्मी सरकार ने तृणमूल का दामन थाम लिया। उनके साथ पंचायत समिति के तीन कार्याध्यक्ष हुमायूं कबीर, आजिनुर बीबी और नजरुल इस्लाम ने भी पार्टी बदली। इसके अलावा, समिति की सदस्य शुक्तारा बीबी, एलिजा बीबी समेत कुल छह नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस छोड़कर तृणमूल में शामिल हुए। लालगोला पंचायत समिति में कुल 36 सीटें हैं। इनमें 22 सीटें कांग्रेस, 12 तृणमूल, एक भाजपा और एक निर्दलीय के पास थीं। अब रविवार को तृणमूल की सीटें बढ़कर 18 हो गईं, जबकि कांग्रेस घटकर 16 पर आ गई।

चांपदानी में जनता बदलाव चाहती है और निश्चित रूप से परिवर्तन होगा : दिलीप सिंह

हुगली : चांपदानी विधानसभा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार अरिंदम गुइन और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार दिलीप सिंह के बीच माना जा रहा है। दोनों ही दल जीत का दावा कर रहे हैं और अपने-अपने स्तर पर जनसंपर्क अभियान को तेज कर दिया है। इसी बीच बीजेपी प्रत्याशी दिलीप सिंह ने चुनाव, विकास और टीएमसी सरकार पर आरोपों को लेकर बातचीत में अपने विचार साझा किए।

■ चांपदानी में इस बार चुनावी मुकाबले को आप किस नजर से देखते हैं?

⇨ इस बार चांपदानी में जनता बदलाव के मूड में है। पिछले कई

वर्षों में लोगों ने भ्रष्टाचार, कटमनी और वसूली की राजनीति देखी है। अब लोग इससे छुटकारा चाहते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए मतदाता मतदान करेंगे और यहां परिवर्तन तय है।

■ टीएमसी उम्मीदवार अरिंदम गुइन का दावा है कि वे बड़े अंतर से जीत दर्ज करेंगे। इस पर आपकी प्रतिक्रिया क्या है?

⇨ जब किसी नेता को हार का डर सताने लगता है, तभी वह बड़े-बड़े दावे करने लगता है। वास्तविकता यह है कि जनता अब बदलाव चाहती है। चांपदानी की जनता सब कुछ देख रही है और इस बार परिणाम अलग होगा।

■ आप अपने चुनावी एजेंडे में मतदाताओं को क्या भरोसा दे रहे हैं?

⇨ हमारा मुख्य उद्देश्य है कि लोगों को बिना किसी दबाव के सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। खासकर महिलाओं के लिए हर महीने 3000 रुपये की सहायता देने की योजना है। साथ ही हम रोजगार के अवसर बढ़ाने और क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर काम करेंगे।

■ रेलवे ओवरब्रिज को लेकर टीएमसी ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। इस पर आपका क्या कहना है?

⇨ रेलवे ओवरब्रिज जैसी परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में विकास कार्य तेज हुए हैं। चांपदानी में भी विकास के कई काम केंद्र सरकार की पहल से आगे बढ़ रहे हैं।

■ बीजेपी में आपकी उम्मीदवारी को लेकर कुछ नाराजगी की खबरें भी सामने आई हैं। क्या इससे चुनाव पर असर पड़ेगा?

⇨ लोकतंत्र में अलग-अलग राय होना स्वाभाविक है, लेकिन चुनाव आते ही सभी कार्यकर्ता पार्टी के लिए एकजुट हो जाते हैं। हमारा लक्ष्य साफ है, चांपदानी में भाजपा की जीत सुनिश्चित करना। मुझे भरोसा है कि सभी कार्यकर्ता मिलकर इस लक्ष्य को पूरा करेंगे।

उत्तरपाड़ा में तृणमूल के कर्मी सम्मेलन में नामों को लेकर विवाद, पार्षद ने जताई नाराजगी

हुगली, समाज्ञा : जिले के उत्तरपाड़ा में तृणमूल कांग्रेस के एक कर्मी सम्मेलन के दौरान मंच से कुछ नेताओं के नाम नहीं लिए जाने को लेकर रविवार को विवाद खड़ा हो गया, जिससे पार्टी के अंदरूनी मतभेद उजागर हो गए। रविवार को उत्तरपाड़ा के बलाका मैदान में तृणमूल उम्मीदवार शीर्षण्य बनर्जी के समर्थन में आयोजित इस सम्मेलन में स्थानीय कार्यकर्ताओं और जिला नेतृत्व को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी भी मौजूद थे। उत्तरपाड़ा नगरपालिका के तृणमूल पार्षद तापस मुखर्जी ने आरोप लगाया कि सम्मेलन में चुनिंदा नेताओं के नाम ही मंच से लिए गए, जबकि कई महत्वपूर्ण पदाधिकारियों को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि युवा तृणमूल कांग्रेस के राज्य सचिव शुभदीप मुखर्जी कार्यक्रम में मौजूद थे, लेकिन उन्हें मंच पर नहीं बुलाया गया और उनका नाम भी नहीं लिया गया। इसी तरह तृणमूल छात्र परिषद के अध्यक्ष को भी मंच पर नहीं बुलाया गया। पार्षद ने आरोप लगाया कि भले ही पार्टी नेतृत्व एकजुटता का संदेश देता है, लेकिन व्यवहार में इसका पालन नहीं किया जा रहा है। तापस मुखर्जी ने कहा कि यह बेहद आपत्तिजनक है। जिस इलाके में सम्मेलन होता है, वहां के स्थानीय प्रतिनिधियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। पार्षदों के नाम नहीं लेना एक बात है, लेकिन पदाधिकारियों के नाम तक नहीं लेना स्वीकार्य नहीं है। जब कुछ नेताओं को बोलने का मौका दिया गया, तो बाकी को भी दिया जाना चाहिए था। इस घटना के बाद स्थानीय स्तर पर तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष की चर्चा तेज हो गई है।

बलिया में घर से नाराज होकर निकली किशोरी का शव सरयू नदी से बरामद

बलिया (उप्र): बलिया जिले में चार दिन पहले परिजनों से नाराज होकर घर से निकली एक नाबालिग किशोरी का शव रविवार को सरयू नदी में बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बैरिया थाना क्षेत्र के चांद दीयर गांव में मांझी घाट पुल के नीचे सरयू नदी में किशोरी का शव मिला जिसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि किशोरी की पहचान दोकटी थाना क्षेत्र के करन छपरा गांव की निवासी खुशी यादव (14) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी 19 मार्च को परिजनों से नाराज होकर घर से निकली थी और इसी दिन मांझी पुल से कूद गई थी।

राजस्थान: स्कूल के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपये मंजूर

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में स्कूल के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई यह सहायता राज्य में शैक्षिक ढांचे को मजबूत करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, आधुनिक और अनुकूल शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इस सहयोग से शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार होंगे।

जयपुर में हरियाणा रोडवेज की बस ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत

जयपुर: जयपुर-दिल्ली राजमार्ग पर चंदवाजी थाना क्षेत्र में हरियाणा रोडवेज की बस और मोटरसाइकिल की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी हीरालाल सैनी ने बताया कि हादसा शनिवार देर रात ताला मोड़ पर लबाना पुलिया के पास हुआ। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार दो युवक ईद के मौके पर ताला से जयपुर की ओर जा रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि रास्ते में उन्होंने सड़क किनारे खड़े अपने दो दोस्तों के पास मोटरसाइकिल रोक ली, तभी पीछे से तेज गति से आई हरियाणा रोडवेज की बस ने मोटरसाइकिल और सड़क किनारे खड़े युवकों को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में ताला निवासी मुस्तकीम शाह, अब्दुल मलिक और साहिल की मौके पर मौत हो गई। वहीं सरताज घायल हो गया, जिसे इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने बताया कि बस और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का करेंगे उद्घाटन

नोएडा: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं। योगी आदित्यनाथ लखनऊ से हवाई मार्ग से गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डा पहुंचे, जहां से वह हेलीकॉप्टर के जरिए जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे। इस बैठक में अधिकारियों ने समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा योजना, जनसभा में आने वाले लोगों की संभावित संख्या और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी दी। साथ ही प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा प्रबंधों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार और विशेष सचिव ईशान प्रताप सिंह भी गौतमबुद्ध नगर पहुंचे। उन्होंने हवाई अड्डा परिसर और जनसभा स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सभागार में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनसभा के लिए पार्किंग व्यवस्था का सुव्यवस्थित मानचित्र तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधा, अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार दिवस पर नीतीश कुमार को पत्र लिखा

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने लोगों को शुभकामनाएं दीं

पटना: राज्यपाल सैयद अता हसनैन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार दिवस के अवसर पर राज्य की जनता को शुभकामनाएं दीं। बिहार का आज 114वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है, जिसे ब्रिटिश भारत में बंगाल प्रेसीडेंसी से 22 मार्च, 1912 को अलग कर बनाया गया था। राज्य सरकार ने तीन दिवसीय कार्यक्रम (22 से 24 मार्च) के तहत लोक संगीत, पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बिहार के इतिहास और कला को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियों सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है। लोक भवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, हसनैन ने बिहार दिवस के अवसर पर राज्य के सभी निवासियों और विश्व भर में रहने वाले बिहारी मूल के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी। बयान में कहा गया कि उन्होंने सभी से राज्य और राष्ट्र के समग्र विकास में पूर्ण योगदान देने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराने का आह्वान किया, साथ ही बिहार की समृद्ध विरासत एवं गौरव को दृढ़ता से बनाए रखने की बात कही। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है और अपने संकल्प के माध्यम से हम राज्य के लिए एक गौरवशाली भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। कुमार ने राज्य के लोगों से समृद्ध बिहार के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को साकार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हम सब मिलकर बिहार को गौरव की नयी ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से लोगों से एक ऐसे बिहार के निर्माण की दिशा में काम करने का आह्वान किया जो आत्मनिर्भर, समृद्ध, अवसरों से भरपूर और राष्ट्र की प्रगति में सहायक हो।

पटना: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर 'बिहार दिवस' के अवसर पर उन्हें और राज्य की जनता को बधाई दी। बिहार को 1912 में तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके 22 मार्च को राज्य बनाया गया था। राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने इस तीन पन्नों के पत्र का 'स्क्रीनशॉट' अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया। प्रधानमंत्री ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने 'समाज के सभी वर्गों के कल्याण के प्रति व्यक्तिगत प्रतिबद्धता' दिखाई है। मोदी ने लिखा, 'आपके नेतृत्व में बिहार ने व्यापक परिवर्तन देखा है और मुझे गर्व है कि मेरी सरकार को राज्य के विकास को गति देने में योगदान करने का अवसर मिला।' प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरुआत मुख्यमंत्री और राज्य के ''मेरे भाइयों और बहनों'' को बिहार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए की। उन्होंने बिहार के समृद्ध इतिहास का उल्लेख करते हुए गौतम बुद्ध द्वारा स्थापित नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों तथा चंद्रगुप्त मौर्य और उनके गुरु चाणक्य की कूटनीति और शासन-कौशल की विरासत का जिक्र किया, जो आज भी भारत का मार्गदर्शन करती है। मोदी ने चम्पारण सत्याग्रह का भी उल्लेख किया, जिसकी शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी। उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष रहे सच्चिदानंद सिन्हा, स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद और दलित नेता जगजीवन राम जैसे महान व्यक्तित्वों का भी जिक्र किया। उन्होंने जयप्रकाश नारायण के आंदोलन का भी उल्लेख किया, जिसने आपातकाल के खिलाफ संघर्ष की दिशा तय की थी। मोदी ने कहा, 'हाल ही में राजग सरकार को कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का अवसर मिला, जिसकी सभी ने सराहना की है।'

योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने बिहार राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई दी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को बिहार के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए राज्य द्वारा विकास के नए प्रतिमान गढ़ने की कामना की। बिहार को 1912 में तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके 22 मार्च को राज्य बनाया गया था। योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'लोक आस्था एवं सांस्कृतिक वैभव से समृद्ध क्रांति धरा बिहार राज्य के स्थापना दिवस की समस्त बिहार वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'

फर्जी आईएएस अधिकारी की ठगी का शिकार हुआ परिवार, लाखों रुपये लूटकर हुआ फरार

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक व्यक्ति ने खुद को भारतीय प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) बताकर एक युवती से शादी की और दहेज में मिले लाखों रुपये ऐंठ कर फरार हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दर्ज शिकायत के हवाले से बताया कि इटावा के रहने वाले प्रीतम कुमार निषाद ने एक 'मैट्रिमोनियल ग्रुप' पर अपनी पहचान आईएएस अधिकारी के तौर पर बतायी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि गोरखपुर निवासी एक परिवार ने अपनी बेटी की शादी के लिये रिश्ता भेजा था और इसी महीने 11 मार्च को नंदनगर के एक बारात घर में उनकी शादी हुई थी। पुलिस ने शिकायत के हवाले से बताया कि आरोप है कि निषाद ने वधु पक्ष को विश्वास में लेने के लिये अपने साक्षात्कार की कथित वीडियो क्लिप, कार्यालय के वीडियो और कुछ राज-नेताओं के साथ अपनी तस्वीरें साझा की थीं। पुलिस के मुताबिक, निषाद ने पहले तो बिना दहेज के शादी करने की बात कही थी लेकिन सगाई से कुछ ही दिन पहले उसने वधु पक्ष से 15 लाख रुपये की मांग की, जिस पर उसे सगाई के दिन 10 लाख और शादी के दिन पांच लाख रुपये दिये गये। पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी तब सामने आई जब दुल्हन इटावा पहुंची और शक तब हुआ जब शादी में आए एक मेहमान ने वधु के परिवार को बताया कि निषाद कोई सरकारी अधिकारी नहीं है। पुलिस के मुताबिक, जब दुल्हन के रिश्तेदार उसके बताए पते पर पहुंचे, तो उन्हें वहां एक किराए का कमरा मिला।

न्यूज अपडेट

बसपा जब-जब मजबूत हुई तो बहुजनों का भला हुआ: मायावती

लखनऊ: बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलित, आदिवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एवं अल्पसंख्यक समाज का भरपूर भला हुआ है। मायावती यहां मध्यप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ राज्य इकाइयों के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक को संबोधित कर रही थीं। पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, इन राज्यों के लिए मुख्य सेक्टर प्रभारी एवं पूर्व सांसद राजाराम के नेतृत्व में आए पदाधिकारियों से उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। समीक्षा के आधार पर उन्होंने पाया कि निर्देशों के अनुपालन के मामले में तीनों राज्यों में कुछ प्रगति हुई है। बसपा प्रमुख ने पदाधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बहुजनों की सुरक्षा, सम्मान और अस्मिता के मिशनरी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य करते हुए चुनावी सफलता हासिल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलितों, आदिवासियों, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के लोगों का भरपूर भला हुआ है।' मायावती ने भीमराव आंबेडकर और पार्टी संस्थापक कांशीराम को याद करते हुए कहा, 'देशभर में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए तथा उन्हें आत्मसम्मान के साथ समतामूलक समाज में जीवन जीने का अधिकार दिलाने हेतु बाबा साहेब ने जो अनेक कानूनी और संवैधानिक अधिकार दिए, उन्हें सही ढंग से लागू कराने के लिए सत्ता की 'मास्टर चाबी'' स्वयं के हाथ में लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। मायावती ने तीनों राज्यों में कार्यकर्ताओं द्वारा लगन और निष्ठा के साथ आंबेडकरवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने और शासक वर्ग बनने के लक्ष्य के लिए संघर्षरत रहने की सराहना की।

जालौन में मंदिर में शिवलिंग और नंदी की मूर्ति क्षतिग्रस्त, आरोपी गिरफ्तार

जालौन: उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के उरई क्षेत्र में रविवार को झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौरसी मोड़ के पास स्थित एक मंदिर में शिवलिंग और नंदी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने के आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक प्रेम कुमार वर्मा ने बताया कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे कोतवाली क्षेत्र के चौरसी मोड़ स्थित मंदिर में सूरज कुमार नामक व्यक्ति ने शिवलिंग और नंदी की मूर्ति को खंडित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना से नाराज लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई और आरोपी को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया गया। वर्मा के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सूरज कुमार बताया है और वह बिहार के नालंदा का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर में नया शिवलिंग और नंदी की मूर्ति स्थापित कर दी गई है।

राजस्थान में बदलेगा शिक्षा का अंदाज, 'लाडू', 'रोटलो' एवं 'मोटो बापो' जैसे स्थानीय शब्द होंगे शामिल

जयपुर: राजस्थान में स्थानीय भाषा को बढ़ावा देने के लिए सरकारी विद्यालयों में अब लड्डू की जगह 'लाडू', रोटी की जगह 'रोटलो', बड़े पापा की जगह 'मोटो बापो' और रुपया की जगह 'पिया' जैसे स्थानीय शब्दों को शामिल कर छात्रों के लिए पढ़ाई को अधिक रोचक और सहज बनाया जाएगा। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (आरएससीईआरटी) की निदेशक श्वेता फगेड़िया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शिक्षा विभाग ने राजस्थान में बहुभाषी शिक्षा परियोजना शुरू की है जिसके तहत बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को फिलहाल राज्य के 11 जिलों में क्रियान्वित करने की योजना है और बाद में इसे चरणबद्ध रूप से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। निदेशक ने बताया कि आरएससीईआरटी ने शिक्षा में भाषायी अंतर को समझने के लिए दो चरण में बोलियों का सर्वेक्षण कराया था। उन्होंने बताया कि पहले चरण में नौ जिलों प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौडगढ़, राजसमंद, पाली, सिरोही और उदयपुर में यह सर्वेक्षण किया गया जिसमें 20,298 प्राथमिक विद्यालयों के पहली कक्षा के 2,43,532 विद्यार्थियों के शिक्षकों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण में इन जिलों में बोली जाने वाली 31 से अधिक बोलियों की पहचान की गई जिसमें सामने आया कि वागड़ी और मेवाड़ी विद्यार्थियों द्वारा सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में 24 जिलों में एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण के लिए डेटा इन जिलों में कक्षा एक को हिंदी भाषा पढ़ाने वाले शिक्षकों ने भरा। सर्वेक्षण में इन जिलों के 250 खंड में 41,686 विद्यालयों के कक्षा एक में पढ़ने वाले 3,66,782 विद्यार्थियों को शामिल किया गया। श्वेता ने बताया कि सर्वेक्षण का उद्देश्य विद्यालयों की सामाजिक भाषायी गतिशीलता को समझना और घर एवं विद्यालय के वातावरण के बीच भाषायी असमानताओं के कारण शिक्षा में पैदा होने वाली बाधाओं का आकलन करना था। आरएससीईआरटी की निदेशक ने बताया कि राज्य के भाषायी सर्वेक्षण के आधार पर प्रयोग के लिए डूंगरपुर और सिरोही का चयन किया गया क्योंकि इन जिलों में भाषायी विविधता सर्वाधिक तथा घरेलू भाषा और विद्यालय की भाषा के बीच अंतर अधिक है।

अयोध्या में छह 'उप-मंदिरों' पर धर्म ध्वजा फहराने की तैयारियां शुरू

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर और राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद अन्य मुख्य मंदिरों पर धर्म ध्वजा फहराये जाने के बाद बाकी बचे छह 'उप-मंदिरों' में भी ऐसी ही रस्में निभाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शनिवार को हुई एक बैठक के बाद बताया कि जिन मंदिरों में ध्वज फहराया जाएगा, उनमें सूर्य, भगवती, शिवलिंग, गणपति, शेषावतार और हनुमान को समर्पित मंदिर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हनुमान मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराने की रस्म आगामी दो अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर की जाएगी। राय ने बताया कि बाकी पांच उप-मंदिरों के लिए रस्में 22, 23, 24, 25, 29, 30 और 31 मार्च को आठ दिनों तक अलग-अलग चरणों में पूरी की जाएंगी। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम बिना किसी बड़ी जनसभा के आयोजित किए जाएंगे और इनमें शामिल होने वालों की संख्या सीमित रखी जाएगी। राय ने बताया कि हर रस्म में लगभग 50 संत और करीब 200 लोग शामिल होंगे, जिनमें इस परियोजना से जुड़े इंजीनियर और मजदूर भी शामिल हैं। ट्रस्ट के महासचिव ने यह भी बताया कि मुख्य शिखर पर ध्वज फहराने की रस्म 25 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी की थी।

जोधपुर: कानूनी जंग जीतकर बाल विवाह की बेड़ियां तोड़ीं, दूसरों को भी उम्मीद की राह दिखाई

जोधपुर: बारह बरस की उम्र-जब हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं, तब उसकी कलाई पर शादी का धागा बांध बचपन की हंसी को घूंघट की ओट में छिपा दिया गया। लेकिन इस फैसले का बोझ एक दशक तक ढोने के बाद आखिरकार कानूनी जंग जीतकर उसने बाल-विवाह की बेड़ियां तोड़कर न केवल अपनी जिंदगी दोबारा हासिल की, बल्कि उन अनगिनत लड़कियों के लिए भी उम्मीद की राह खोल दी जिनका बचपन एक कुप्रथा की भेंट चढ़ गया। ये कहानी है बिश्नोई समुदाय से ताल्लुक रखने वाली खुशबू (परिवर्तित नाम) की जिसका विवाह बृहस्पतिवार को जोधपुर की पारिवारिक अदालत के न्यायाधीश वरुण तलवार ने निरस्त कर दिया। फैसले में न्यायाधीश ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के वर्तमान ही नहीं, उनके भविष्य को भी कमजोर कर देता है। उन्होंने इस कुप्रथा को खत्म करने के लिए समाज से सामूहिक पहल करने का आह्वान भी किया। साल 2016 में जब खुशबू महज करीब 12 साल की थी, उसी समय यह ब्याह रचा दिया गया। अब अदालत ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत इसे अमान्य घोषित कर दिया। खुशबू ने याद किया कि वह तब (जिस उम्र में शादी हुई) स्कूल जाने वाली एक मासूम बच्ची थी, जिसे इस बात की भी ठीक से समझ नहीं था कि उसके आसपास क्या घट रहा है। खुशबू ने कहा, 'गांव के बड़े-बुजुर्ग शादी की तैयारियों में लगे थे और मेरी जिंदगी का फैसला मेरी ही चुप्पी के बीच तय किया जा रहा था।' उन्होंने कहा, 'फैसले दरअसल काफी हद तक उन रीति-रिवाजों से प्रेरित थे जिनके आगे माता-पिता की आवाज भी कहीं दबकर रह गई। उम्र बढ़ने के साथ मुझे धीरे-धीरे एहसास हुआ कि मैं एक ऐसे रिश्ते में बांध दी गई थी, जिसे न मैंने चुना था और न ही पूरी तरह समझा था।'

राजस्थान में कुत्तों के काटने की घटनाएं 2025 में लगभग दोगुनी, जयपुर सबसे

जयपुर: राजस्थान में कुत्तों के काटने की घटनाएं 2025 में लगभग दोगुनी हो गई हैं जयपुर इस मामले में सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदन के तहत प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 2024 में कुत्तों के काटने के 460 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर करीब 900 हो गए। आंकड़ों के अनुसार अकेले जयपुर में 2024 में 307 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025 में बढ़कर 633 हो गए। यह दोनों वर्षों में राज्य में सर्वाधिक संख्या है। आरटीआई आवेदक चंद्रशेखर गौड़ ने कहा, 'विशेष रूप से बच्चों से जुड़े मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जयपुर में 2024 में 45 बच्चे पीड़ित थे, जो 2025 में बढ़कर 65 हो गए। यह सभी जिलों में सबसे अधिक है।' उन्होंने बताया कि खैरथल-तिजारा में 2024 में चार बच्चों को कुत्तों ने काटा, 2025 में यह संख्या बढ़कर नौ हो गए। वहीं कोटा में 2024 में इस तरह के नौ मामले दर्ज किए गए जो 2025 में बढ़कर 16 हो गए। बीकानेर में 2024 में कुत्तों ने छह बच्चों को शिकार बनाया, 2025 में इनकी संख्या घटकर दो रह गई। पाली में 2024 में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था, जबकि 2025 में दो मामले सामने आए। कुल घटनाओं के लिहाज से 2025 में जयपुर के बाद कुत्तों के काटने के सबसे अधिक मामले खैरथल-तिजारा (55), पाली (46), कोटा (45) और भीलवाड़ा (33) में दर्ज किए गए। आंकड़ों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटनाएं अधिक रही हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में इनकी संख्या अपेक्षाकृत कम दर्ज की गई है।

देश में महिलाओं की स्थिति 'बहुत खराब' : अखिलेश यादव

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में महिलाओं की स्थिति 'बहुत खराब' होने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि 'आधी आबादी' की भागीदारी के बिना सच्ची तरक्की मुमकिन नहीं है। यादव ने आज सपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'अगर किसी समाज या देश को समझना है, तो उसकी महिलाओं की स्थिति देखनी होगी, और अगर वह बात पता चल जाए, तो पूरे समाज की स्थिति का पता चल जाएगा। भारत में, जहां अलग-अलग जाति और धर्म के लोग रहते हैं वहां अंदाजा लगाने पर पता चलता है कि हमारी महिलाओं और बहनों की हालत असल में बहुत खराब है।' उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर महिला सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य, महिला सम्मान और महिला खुशहाली से जुड़ी परियोजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आधी आबादी यानी महिलाओं की भागीदारी के बिना सच्ची तरक्की नामुमकिन है, इसलिए पीडीए

(पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की सबसे बड़ी ताकत पिछड़े वर्ग, दलित, अल्पसंख्यक और हमारे मुस्लिम भाई हैं, लेकिन हम इस आधी आबादी के सहयोग के बिना समाज और देश को आगे नहीं बढ़ा सकते।' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में पीडीए के दम पर सरकार बनाकर महिलाओं के सम्मान के लिए विशेष योजनाएं लागू करेगी और उन्हें खुशहाल जिंदगी की राह पर ले जाएगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने शासनकाल में शुरू की गई महिला हेल्पलाइन 1090 का जिक्र करते हुए कहा, ''जब '1090' हेल्पलाइन पहली बार शुरू हुई थी, तो बहुत से लोगों को शक था कि यह आखिर में कितनी असरदार साबित होगी। हालांकि, मुझे यह देखकर खुशी हुई कि एक बार जब 1090 के जरिए लड़कियों और महिलाओं की मदद करने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की पहल शुरू हुई और जब नतीजे के आंकड़े अखबारों में छपे तो उच्चतम न्यायालय ने भी इस कोशिश की तारीफ की, और साथ ही सुझाव दिया कि दूसरे राज्यों को भी इससे सीखना चाहिए।'

झारखंड: जमशेदपुर में भगत सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए तिरंगा यात्रा निकाली गई

जमशेदपुर: झारखंड के जमशेदपुर में रविवार को सैकड़ों लोगों ने स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए तिरंगा यात्रा निकाली। यह रैली एग्रीको मैदान से शुरू हुई और लगभग छह किलोमीटर की दूरी तय करते हुए भालुबासा चौक व साकची गोलचक्कर से गुजरते हुए अपने शुरुआती बिंदु पर समाप्त हुई। इस यात्रा में उन स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी गई, जिन्हें 23 मार्च, 1931 को फांसी दी गई थी। यात्रा का आयोजन करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान देश के युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं। आयोजकों ने दावा किया कि इस मार्च में लगभग 30,000 लोगों ने भाग लिया, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए जमशेदपुर में मार्च निकालने की शुरुआत 2016 में की गई थी।

'फरसा वाले बाबा' की मौत के विरोध में हंगामा और तोड़फोड़ करने के आरोप में

मथुरा: उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शुक्रवार की रात 'फरसा वाले बाबा' के नाम से विख्यात गौसेवक बाबा चंद्रशेखर दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हंगामा करने और रास्ता जाम करने के आरोप में पुलिस ने एक शातिर अपराधी समेत 19 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार की सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जब मथुरा के तीन दिवसीय दौरे के बीच गोवर्धन में दर्शन-पूजन व परिक्रमा कर रही थीं, तभी बड़ी संख्या में बाबा चंद्रशेखर के समर्थक एवं शिष्य दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकत्र हो गये और रास्ता जाम कर हंगामा किया था। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों ने न केवल अनावश्यक तौर पर राजमार्ग जाम किया, बल्कि पुलिस जब उन्हें वहां से हटाने पहुंची तो उन्होंने पथराव कर दिया जिसमें कई पुलिसकर्मी जख्मी हो गये और करीब 25 अन्य लोगों को भी चोटें आयीं। सूत्रों के मुताबिक उपद्रवियों ने पुलिस चौकी और

सरकारी गाड़ियों पर भी पथराव करके उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में शनिवार देर शाम तक आरोपी दक्ष चौधरी व उसके साथियों के खिलाफ कोसीकलां थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया और चौधरी तथा उसके 18 अन्य साथियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि चौधरी गाजियाबाद का शातिर अपराधी है जिस पर प्रदर्शन की आड़ में सरकारी और निजी गाड़ियों पर हमले, लूट, तोड़फोड़ करने के आरोप हैं। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को हिरासत में लिए गए अभियुक्तों का रविवार को मेडिकल परीक्षण कराने के बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष उन्हें पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि इनमें बाबा के करीबी चेले भूरा व उसके साथियों के साथ गाजियाबाद के शातिर अभियुक्त दक्ष चौधरी और उसके साथी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बाबा के शिष्य हंगामा कर कथित गोकशों पर गोभक्त चंद्रशेखर दास (57) की हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे थे। पुलिस के मुताबिक यह हत्या नहीं बल्कि दुर्घटना है और जिस ट्रक की चपेट में आकर बाबा की मौत हुई है, उसके चालक की भी मृत्यु हो गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि बाबा के शिष्यों द्वारा पोस्टमॉर्टम न कराए जाने की मांग पर शनिवार को ही पुलिस की मौजूदगी में विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बहराइच में हाथी के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

बहराइच: उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र के भवानीपुर गांव में रविवार सुबह जंगल के किनारे हाथी के हमले में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले 36 दिनों में हाथी के हमले में किसी व्यक्ति की मौत की यह तीसरी घटना है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि कतर्निया रेंज के भवानीपुर गांव की 80 वर्षीय कुवारिया देवी जंगल से सटे अपने खेत में बकरियां चरा रही थीं। इसी दौरान उनकी एक बकरी जंगल की ओर चली गई, जिसे खोजने के लिए वह जंगल की तरफ बढ़ीं। तभी जंगल से निकले एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया और पैरों तले कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार महिला ने बचने के लिए शोर मचाया, जिसे सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक हाथी हमला कर चुका था।

जद (यू) के पूर्व नेता के सी त्यागी रालोद में शामिल

नयी दिल्ली: जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व नेता के सी त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) में शामिल हो गए। त्यागी ने रालोद अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। त्यागी ने मंगलवार को जद (यू) छोड़ने की घोषणा की थी। हालांकि उन्होंने इसके लिए कोई कारण नहीं बताया था। त्यागी अक्टूबर 2003 में समता पार्टी और जनता दल के विलय से बनी जद(यू) से जुड़े रहे। उन्होंने जद (यू) में मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया।

दुनिया के आधे से अधिक देशों ने स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई: यूनेस्को

नयी दिल्ली : यूनेस्को के 'वैश्विक शिक्षा निगरानी' (जीईएम) दल ने बताया कि कक्षाओं में ध्यान केंद्रित करने में कमी और ऑनलाइन माध्यम से धमकाए जाने (साइबरबुलिंग) के मामलों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आधे से अधिक देशों ने स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। दल ने पाया कि सोशल मीडिया के उपयोग से खान-पान संबंधी विकार से पीड़ित होने की संभावना लड़कों की तुलना में लड़कियों में दोगुना होती है। फेसबुक के एक शोध के अनुसार, इंस्टाग्राम के उपयोग के बाद 32 प्रतिशत किशोरियों में अपने

शरीर को लेकर असंतोष की भावना बढ़ गई। रिपोर्ट में टिकटॉक के 'एल्गोरिदम' को लेकर चिंताजनक रुझानों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि यह किशोरों को हर 39 सेकंड में 'शारीरिक छवि' से जुड़ी साम्रागी दिखाता है और हर आठ मिनट में खान-पान से जुड़े विकारों से संबंधित सामग्री दिखाता है। जीईएम के एक वरिष्ठ सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हालिया वैश्विक निगरानी से पता चलता है कि फिलहाल 114 शिक्षा प्रणालियों में स्कूलों में मोबाइल फोन पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू है, जो दुनिया के 58 प्रतिशत देशों का प्रतिनिधित्व करता है। यह विस्तार काफी तेज रहा है। जून 2023 में, जब 2023 की जीईएम रिपोर्ट में पहली बार इसका आकलन किया गया था, तब 24 प्रतिशत से भी कम देशों में ऐसे प्रतिबंध थे। वर्ष 2025 की शुरुआत तक यह बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया और मार्च 2026 तक इस आंकड़े में लगभग 20 प्रतिशत और बढ़ोतरी हो गई। अधिकारी ने कहा, स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाए जाने के मामलों में बढ़ोतरी कक्षाओं में बच्चों के ध्यान में कमी, ऑनलाइन माध्यम से धमकाए जाने (साइबरबुलिंग) और बच्चों पर डिजिटल माहौल के व्यापक प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं को दर्शाती है। हालांकि, वैश्विक परिदृश्य केवल प्रतिबंध की ओर साधारण बदलाव से कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने बताया कि 2025 के अंत से कई देशों ने स्कूलों में मोबाइल फोन पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू किया है, जिससे इस प्रवृत्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई है।

भारत वैश्विक चुनौतियों का करेगा सामना, उभरती अर्थव्यवस्थाओं की करेगा मदद : धर्मेंद्र प्रधान

मुंबई : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि भारत अपनी घरेलू प्राथमिकताओं को पूरा करेगा एवं वैश्विक चुनौतियों का सामना करेगा तथा आने वाले वर्षों में 'ग्लोबल साउथ' की उभरती अर्थव्यवस्थाओं और कम आय वाले देशों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वह यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी,बंबई) में 'भारत इनोवेट्स डीप-टेक प्री-समिट' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि भारत न केवल देश की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि वैश्विक चुनौतियों का भी सामना करेगा। विशेष रूप से, ग्लोबल साउथ की उभरती अर्थव्यवस्थाओं और गरीब देशों की कम लागत वाली अर्थव्यवस्थाओं की जरूरतों को भारत आने वाले दिनों में पूरा करेगा। फ्रांस में आयोजित होने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम से पहले आयोजित इस शिखर सम्मेलन में देश भर से प्राप्त 3,000 से अधिक आवेदनों में से चयनित 137 'डीप-टेक स्टार्टअप' एक साथ आए। चयनित स्टार्टअप फ्रांस में भारत के 'डीप-टेक इकोसिस्टम' का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रधान ने कहा कि हालांकि भारत की प्राथमिकता निरंतरता, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका और उत्पादन क्षेत्र पर होनी चाहिए, लेकिन देश 'डीप टेक्नॉलोजी' के माध्यम से ग्लोबल साउथ की जरूरतों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा, भारत इनोवेट्स पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है। आने वाले दिनों में, भारत इनोवेट्स एक सामाजिक आंदोलन बन जाएगा जिसमें नेतृत्व, निवेशक, उद्योग, शिक्षाविद और नीति निर्माता शामिल होंगे। इसे एक जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा और एक विशिष्ट पहचान प्रदान की जाएगी।

आंध्र प्रदेश: दूध में मिलावट के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हुई

राजमहेंद्रवरम : आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में संदिग्ध रूप से मिलावटी दूध पीने के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है, जबकि तीन लोगों का राजमहेंद्रवरम के अस्पतालों में इलाज जारी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस मामले का पता सबसे पहले 22 फरवरी को चला था जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। लालाचेरुवु के चौडेश्वरनगर और स्वरूपनगर इलाकों के निवासी कथित तौर पर मिलावटी दूध पीने के बाद बीमार पड़ गए। रविवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रयोगशाला जांच में सामने आया है कि 16 लोगों की मौत मिलावटी दूध के सेवन से हुई जिसमें 'एथिलीन ग्लाइकोल' नामक जहरीला रसायन मिला हुआ था।

असम: निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने की धमकी देने वाले नेताओं को मनाने में जुटे हिमंत, दिलीप सैकिया

गुवाहाटी : असम में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के वास्ते भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से टिकट न मिलने पर कई निवर्तमान विधायकों और अन्य नेताओं ने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ने की धमकी दी है, जिसके बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश पार्टी प्रमुख दिलीप सैकिया उन्हें मनाने में जुटे हुए हैं। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। कांग्रेस नेताओं-- प्रद्युत बोरदोलोई और भूपेन बोरा के हाल में भाजपा में शामिल होने और उसके बाद उन्हें क्रमशः दिसपुर तथा बिहपुरिया विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने से पार्टी का टिकट पाने के इच्छुक कई नेता नाराज हो गए हैं।

असम विस चुनाव : कांग्रेस ने सात उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सात उम्मीदवारों की पांचवीं और अंतिम सूची जारी की। कांग्रेस ने इसी के साथ 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 101 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक बयान में बताया,''कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने आसन्न असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन कर लिया है।'' कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की अंतिम सूची के मुताबिक गोसाईगांव सीट से जोसेफ हसदा को, डोटमा (एसटी) से बिरखांग बोरो को, बिजनि से रजत कांति साहा और भेरगांव सीट से आंचुला ग्वारा दायमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने नारायण अधिकारी को माज़बत से, निर्मल लंगथासा को हाफलोंग (एसटी) से और अमर चंद जैन को कटिगोरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की थी, जिसमें एक मौजूदा विधायक का टिकट काट दिया गया था और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन में सहयोगी रायजोर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी गई हैं।

पंजाब: सीमा पार तस्करी का भंडाफोड़; 24 किलो हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में तीन लोगों की गिरफ्तारी के साथ सीमा पार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और उनसे 24.5 किलोग्राम हेरोइन और 21.5 लाख रुपये नकद बरामद किए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी के पाकिस्तान स्थित दलालों से संबंध थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान अमृतसर के नूरवाल गांव के रहने वाले जगजीत सिंह उर्फ राणा, अमृतसर के औलख खुर्द के निवासी मनप्रीत सिंह उर्फ प्रीत और अमृतसर के धूपसारी गांव के रोशन सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस ने एक मल्टी-कॉप्टर ड्रोन भी बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान स्थित तस्कर सीमा पार से खेप पहुंचाने के लिए करते थे । अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा मादक पदार्थों के खेप की आपूर्ति के लिए इस्तेमाल की जा रही दो कारें भी बरामद की हैं। यादव ने बताया कि गहन तकनीकी जांच के बाद पुलिस टीम ने पाकिस्तान से जुड़े इस सीमा पार नेटवर्क का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अग्रिम कड़ियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में तीन अस्पतालों को एकीकृत कर एम्स जैसा संस्थान बनाने की योजना: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को एम्स जैसे संस्थान के रूप में एकीकृत करने के प्रस्तावित कदम से राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ स्नातकोत्तर और एमबीबीएस सीट में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सरकारी बयान के अनुसार, दिल्ली सरकार एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त चिकित्सा निकाय बनाने के लिए तीनों अस्पतालों का विलय करने की योजना बना रही है। इसमें यह भी कहा गया कि मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस) को दूसरे राष्ट्रीय

मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएनए-चएस-2) के रूप में विकसित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों के एकीकरण संबंधी पहल का एक प्रमुख उद्देश्य स्नातकोत्तर और एमबीबीएस सीट की संख्या बढ़ाना है ताकि अधिक डॉक्टरों को विशेष प्रशिक्षण मिल सके और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार हो सके। गुप्ता ने कहा, ''संस्थानों को एकीकृत करके, हम संकाय, बुनियादी ढांचे और उन्नत चिकित्सा उपकरणों का इष्टतम उपयोग कर पाएंगे, जिससे विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण अवसर और (मरीजों के लिए) बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित होगी।'' बयान के अनुसार, गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान (डीएससीआई) और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) में वर्तमान में अलग-अलग संचालित विभागों को एकीकृत किया जाएगा ताकि संसाधनों और मानव संसाधन के बिखराव का समाधान हो।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण स्थगित की गई माता वैष्णो देवी यात्रा फिर शुरू

जम्मू : जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी के गुफा मंदिर की यात्रा अस्थायी स्थगन के बाद रविवार को फिर से शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने शनिवार को भवन क्षेत्र में भारी भीड़ के मद्देनजर यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी थी। दोपहर बाद तक करीब 39,000 श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे, जिसके चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया। चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू हुई है और 27 मार्च को समाप्त होगी। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, भवन में अत्यधिक भीड़ के कारण यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित की गई थी, जिसे अब फिर से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कटरा में रविवार सुबह से यात्रा के लिए पंजीकरण भी दोबारा शुरू हो गया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक करीब एक लाख श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके हैं। शनिवार को 39,000 से अधिक श्रद्धालु कटरा पहुंचे और मंदिर में मत्था टेका। पंजीकरण के बाद 5,000 से अधिक श्रद्धालु गुफा मंदिर की ओर रवाना हुए। पंजीकरण केंद्रों पर भी भारी भीड़ देखी गई। नवरात्र के तीसरे दिन 'जय माता दी' के जयकारों के साथ सैकड़ों श्रद्धालु त्रिकुटा पहाड़ियों की घुमावदार रास्तों से होते हुए भवन की ओर बढ़ते नजर आए। फूलों से सुसज्जित और रंग-बिरंगी रोशनी से आलोकित गुफा मंदिर का परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार है।

हरिद्वार में गौकशी के शक में मुस्लिम युवक के साथ मारपीट

देहरादून : उत्तराखंड के हरिद्वार में वाहन से गोवंशीय मवेशी ले जा रहे एक मुस्लिम युवक को गौकशी के शक में कुछ युवकों ने रोक लिया और उसे जबरन अपनी कार में बैठाकर उसके साथ मारपीट की। खुद को 'गौ सेवक' बताने वाले पांच युवकों ने पीड़ित युवक से नाम-पता पूछते हुए मारपीट का वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पीड़ित और आरोपियों की पहचान की तथा कनखल क्षेत्र के बैरागी कैंप निवासी पीड़ित सद्दाम की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि तहरीर के मुताबिक, 19 मार्च की रात को सद्दाम एक वाहन में दो गायें और एक बछड़ा लेकर निकटवर्ती दिनारपुर जा रहा था, जहां रास्ते में काली मंदिर के पास आरोपी युवकों ने उसे रोक लिया। युवकों ने सद्दाम पर गायों को गौकशी के लिए ले जाने का आरोप लगाते हुए उसे जबरन अपनी कार में बैठा लिया तथा उसके साथ मारपीट की। सद्दाम ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने दोबारा गायें ले जाते दिखने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों की पहचान पवन, पीयूष, राजन चौधरी, अभय और सौरभ के रूप में हुई है। हरिद्वार के पुलिस अधीक्षक (नगर) अभय प्रताप सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में तत्काल कार्रवाई की गयी और आरोपी युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

नागा चैतन्य ने 'थंडेल' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई

नयी दिल्ली : अभिनेता नागा चैतन्य ने कहा है कि फिल्म 'थंडेल' उनके लिए बेहद खास रही और तेलंगाना फिल्म पुरस्कार 2025 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिलने पर उन्होंने आभार जताया। यह समारोह 19 मार्च को आयोजित किया गया था जिसमें 2025 की फिल्म के लिए यह पुरस्कार उन्हें प्रदान किया गया। चैतन्य ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, थंडेल के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का तेलंगाना गदर फिल्म पुरस्कार 2025 पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह फिल्म मेरे लिए एक बहुत खास यात्रा रही है और इस वीरता की कहानी को पर्दे

पर लाने का मौका मिलने के लिए मैं आभारी हूं। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कलाकारों और तकनीकी दल के सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। फिल्म का निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया है जिसमें चैतन्य ने भारतीय मछुआरे राजू की भूमिका निभाई है। चैतन्य जल्द ही फिल्म 'वृषकर्मा' में नजर आएंगे, जिसमें मीनाक्षी चौधरी और जरीना वहाब भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिये उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

गुवाहाटी : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची की घोषणा की, जिसमें कांग्रेस विधायक शेरमन अली अहमद को मांडिया निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि पार्टी की राज्य इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डुलू अहमद की उम्मीदवारी वापस ले ली गई। नवीनतम सूची में पार्टी के सात उम्मीदवारों के नाम हैं, जबकि पहली सूची में 11 उम्मीदवार थे। चमारिया निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार डुलू अहमद की उम्मीदवारी वापस लेने के बाद, टीएमसी ने अब तक 17 सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। शेरमन अली अहमद, जो पार्टी अनुशासन का बार-बार उल्लंघन करने के कारण विधायक के रूप में अपने वर्तमान कार्यकाल के अधिकांश समय तक कांग्रेस से निलंबित रहे, इस महीने की शुरुआत में एक अन्य विपक्षी पार्टी, रायजोर दल में शामिल हो गए थे। चूंकि, रायजोर दल अब कांग्रेस सहित छह दलों के विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है, इसलिये शनिवार देर रात प्रकाशित अपनी अंतिम सूची में उसने अहमद को टिकट देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद तीन बार के विधायक अहमद टीएमसी में शामिल हो गए और उन्हें मांडिया से तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार बनाया गया है।

मनोज सिन्हा ने जम्मू के कोल कंडोली मंदिर से वैष्णो देवी छड़ी यात्रा को रवाना किया

जम्मू : जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में कोल कंडोली मंदिर से 24वीं श्री माता वैष्णो देवी प्राचीन मार्ग पवित्र छड़ी यात्रा को रवाना किया। उपराज्यपाल सिन्हा ने नगरोटा स्थित मंदिर में छड़ी यात्रा की 'प्रथम पूजा' में भाग लिया। यह पूजा आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। सिन्हा ने मंदिर में मत्था टेका तथा सभी की शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना की। उपराज्यपाल ने श्रद्धालुओं से बातचीत की और इस शुभ अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। पवित्र ज्योत लेकर छड़ी यात्रा पारंपरिक मार्ग पर आगे बढ़ी और बामियाल स्थित ओली माता मंदिर पहुंची।

अनुपम खेर ने आदित्य धर की 'धुरंधर: द रिवेंज' की सराहना की

नयी दिल्ली : अभिनेता अनुपम खेर ने आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक उत्कृष्ट फिल्म ही नहीं बल्कि एक अनुभव और भावना का संगम है। धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' की अगली कड़ी 'धुरंधर: द रिवेंज' बृहस्पतिवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म देश के सिनेमाघरों की टिकट खिड़की पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और

बॉक्स ऑफिस पर 339.27 करोड़ रुपये की कमाई की

मलयालम भाषाओं में रिलीज हुई है। खेर ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया। अभिनेता ने अपनी पोस्ट में लिखा, धुरंधर जबरदस्त है! आदित्य धर एक रॉकस्टार हैं! कभी-कभी शब्द कम पड़ जाते हैं। आप फिल्म देखकर बाहर निकलते हैं... और आपके भीतर एक खामोशी छा जाती है जो सब कुछ कह देती है। धुरंधर देखने का अनुभव कुछ ऐसा ही था। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह एक अनुभव है। एक भावना है। एक ऐसी यात्रा जो चुपचाप आपके दिल में उतर जाती है और फिर जाने से इनकार कर देती है। 'धुरंधर' में ऐसे कई पल हैं जो सिर्फ स्क्रीन पर नहीं दिखते-वे आपके साथ रहते हैं।

ओडिशा सरकार हर घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास कर रही है : मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर : ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के हर गांव और घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास कर रही है। माझी ने 'विश्व जल दिवस' के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जल जीवन है, और इस अनमोल प्राकृतिक संसाधन की सुरक्षा और उचित उपयोग हम सभी की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ओडिशा सरकार 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से राज्य के हर गांव और घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'पानी पंचायतों' को मजबूत करके और नई सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से किसानों को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा,

आइए जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाकर एक समृद्ध ओडिशा के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयास करें। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में राज्यपाल हरि बाबू कम्भमपति ने कहा, जल हमारे ग्रह और हमारे भविष्य की जीवनरेखा है। इस 'विश्व जल दिवस' पर, आइए हम पानी बचाकर, इसका विवेकपूर्ण उपयोग करके और इसकी हर बूंद की कीमत समझकर इस अनमोल संसाधन की रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराएं।

प्रयागराज-कानपुर रेलखंड पर 'कवच' लागू, 160 किमी/घंटा रफ्तार की राह हुई आसान

प्रयागराज : उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज-कानपुर सेक्शन (190 रूट किमी) पर 'कवच' स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू कर दिया है। इस प्रणाली का औपचारिक शुभारंभ ट्रेन संख्या 14163 के माध्यम से किया गया। इस दौरान उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एन.पी. सिंह ने ट्रेन के लोकोमोटिव में सवार होकर सूबेदारगंज से मनौरी स्टेशन तक 'फुटप्लेट निरीक्षण' कर कवच प्रणाली के प्रदर्शन का आकलन किया। पहले चरण में इस प्रणाली को आठ जोड़ी ट्रेनों- 14113/14114, 14163/14164, 12307/12308, 12417/12418, 22437/22438, 15003/15004, 20433/20434 और

12403/12404-पर लागू किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य ट्रेनों और वंदे भारत ट्रेनों को भी चरणबद्ध तरीके से इसमें शामिल किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, यह पहल देश के प्रमुख रेलखंडों में से एक पर ट्रेनों को 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने, सुरक्षा बढ़ाने और परिचालन दक्षता सुधारने की दिशा में बड़ा कदम है।

कड़े परीक्षणों के बाद मिली सफलता

कवच प्रणाली लागू करने से पहले व्यापक परीक्षण किए गए। इनमें डब्ल्यू-पी-7 लोकोमोटिव के साथ 8, 16 और 22 एलएचबी कोच तथा 20 कोच वाली वंदे भारत रेक शामिल रही। यात्री परीक्षण के तहत चौरी चौरा एक्सप्रेस (15003/15004) से 20,000 किमी से अधिक ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरे किए गए।

कवच की प्रमुख विशेषताएं

* ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम
* सिग्नल पार करने की स्थिति में स्वतः ब्रेक
* मानव त्रुटि होने पर ट्रेन को स्वतः नियंत्रित करना
*टक्कर से बचाव और सुरक्षा में वृद्धि

'कवच' पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित स्वदेशी तकनीक है, जिसे भारतीय रेलवे में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। यह उपलब्धि प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर सतेंद्र कुमार के नेतृत्व में सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन टीम के समन्वित प्रयासों से संभव हुई है।

अगला लक्ष्य: गाजियाबाद-टुंडला सेक्शन

रेलवे के 'मिशन रफ्तार' के तहत अगले चरण में गाजियाबाद-टुंडला सेक्शन पर भी कवच प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे ट्रेनों की गति 160 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाई जा सकेगी।

उत्तर मध्य रेलवे ने कहा कि आधुनिक तकनीकों के जरिए यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और कुशल रेल सेवा प्रदान करना उसकी प्राथमिकता है।

सीईसी को हटाने की मांग वाले नोटिस में विपक्ष ने उन पर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया

नयी दिल्ली : विपक्षी सांसदों द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग करते हुए संसद में दिए गए नोटिसों में उन पर ''सरकार के इशारे पर काम करने'' और एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से ''बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित करने'' का भी आरोप लगाया गया है। विपक्षी सदस्यों ने कुमार की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए हैं। संसद के दोनों सदनों में 12 मार्च को प्रस्तुत किए गए नोटिसों में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ ''साबित कदाचार'' के आधार पर सात आरोप सूचीबद्ध किए गए हैं, जिनमें उन्हें पद से हटाने का आह्वान किया गया है। लोकसभा में 130 और राज्यसभा में 63 विपक्षी सांसदों ने सीईसी को हटाने की मांग का प्रस्ताव किया है। इन

नोटिस के बारे में पूछे जाने पर राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि विपक्षी सांसद इन पर कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। ओ'ब्रायन ने कहा, ''अगर केंद्र सरकार इन नोटिसों पर कार्रवाई नहीं करती है, तो कार्यपालिका और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के बीच मिलीभगत को लेकर संदेह पैदा होगा।'' 'सिद्ध कदाचार' के आरोपों में विपक्ष ने सीईसी पर ''स्वतंत्रता और संवैधानिक निष्ठा बनाए रखने में विफल रहने'' और ''सरकार के इशारे पर काम करने'' का आरोप लगाया है। विपक्ष के आरोपों में कुमार की मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्ति की प्रक्रिया के अलावा 17 अगस्त, 2025 को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए उनकी ''पक्षपातपूर्ण'' प्रेस वार्ता और विपक्षी सदस्यों के साथ ''भेदभावपूर्ण व्यवहार'', जांच में 'बाधा डालना', 'पारदर्शिता के साधन (टूल्स)' उपलब्ध कराने से इंकार करना शामिल हैं। विपक्ष का यह भी आरोप है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद का क्रियान्वयन ''सत्ताधारी पार्टी के राजनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप'' किया गया।

प्रमोद को दो स्वर्ण और एक रजत, भारत का स्पेनिश पैरा बैडमिंटन में उम्दा प्रदर्शन

विटोरिया (स्पेन): पैरालम्पिक चैम्पियन प्रमोद भगत ने स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2026 में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। भगत ने पुरूष एकल एसएल3 में भारत के ही नितेश कुमार को 21 . 17, 10 . 21, 21 . 18 से हराया। मिश्रित युगल में उन्होंने मनीषा रामदास के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने ब्राजील के रोजेरियो जूनियर जेवियर डि ओलिवियरा और एडवर्डो डि ओलिवियरा डायस को 13 . 21, 21 . 12, 21 . 19 से मात दी। भगत ने पुरूष युगल एसएल3 और एसयू5 श्रेणी में सुकांत कदम के साथ रजत पदक जीता। सुकांत ने पुरूष एकल एसएल4 फाइनल में कोरिया के चो नदान को 21 . 16, 21 . 17 से हराया। नितेश ने पुरूष एकल एसएल3 में रजत और जगदीश ने कांस्य पदक जीता। नीरज ने महिला एकल एसएल3 में कांस्य पदक हासिल किया। पुरूष युगल एसएल3 और एसयू 5 में दीप रंजन बिसोइ और कुलदीप एम ने कांस्य पदक जीता। मिश्रित युगल एसएल3 और एसयू 5 में शिवम यादव और नीरज, नितेश कुमार और टी मुरूगेसन ने कांस्य पदक जीता। महिला एकल एसयू 5 में मनीषा रामदास ने स्वर्ण और तुलसीमति मुरूगेसन ने रजत पदक हासिल किया। पुरूष युगल एसयू 5 में जतिन आजाद और शिवम यादव को कांस्य पदक मिला जबकि महिला एकल एसएच 6 में मनीषा पटेल को कांस्य पदक मिला।

अंतर प्रांत सब जूनियर और कैडेट राष्ट्रीय टेबल टेनिस में बंगाल प्रबल दावेदार

गांधीधाम: यहां सोमवार से शुरू हो रही 87वीं अंतर प्रांत सब जूनियर और कैडेट राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में लड़कों के अंडर 15 वर्ग में 32 टीमें भाग लेंगी। पश्चिम बंगाल खिताब का प्रबल दावेदार है जबकि गत चैम्पियन पीएसपीबी अकादमी की टीम में कई नये खिलाड़ी हैं। बंगाल की टीम में आदित्य दास, रिषभ चटोपाध्याय, हिमोन कुमार मंडल और रूद्रनील जना हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र से भी कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। गुजरात 182 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। प्रतियोगिता में सभी 32 टीमों को आठ समूहों में बांटा जायेगा। इनकी वरीयता हर टीम के शीर्ष दो खिलाड़ियों के राष्ट्रीय रैंकिंग अंकों के आधार पर तय हुई है। अंडर 11 और अंडर 15 युवा लड़कों के मुकाबले भी साथ में होंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स ने सुरेश रैना, मैथ्यू हेडन को पहले हाफ आफ फेम में शामिल किया

चेन्नई: चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को भारत के पूर्व हरफनमौला सुरेश रैना और आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम के पहले 'हाल आफ फेम' में शामिल किया। यह घोषणा एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर टीम के प्रशंसकों के लिये विशेष कार्यक्रम ' रोअर 26' के दौरान की गई। रैना 2008 से 2021 तक चेन्नई टीम का हिस्सा थे।वह चार बार आईपीएल में चेन्नई की विजेता टीम (2010, 2011, 2018 और 2021)के सदस्य रहे। प्रशंसकों के बीच 'चिन्ना थाला' के नाम से मशहूर रैना 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग जीतने वाली चेन्नई टीम में भी थे और 2014 में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे।

बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं : अभिनव बिंद्रा

पटना: ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने रविवार को कहा कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं और उन्होंने प्रदेश में बुनियादी ढांचा बनाने के लिये राज्य सरकार की तारीफ की। प्रदेश सरकार और स्पोर्टस स्टार द्वारा आयोजित बिहार खेल कांक्लेव से इतर पत्रकारों से बातचीत में बिंद्रा ने कहा ,' बिहार में जिस तरह खेलों का विकास हो रहा है, वह काबिले तारीफ है। बिहार की खेलमंत्री (श्रेयसी सिंह) निशानेबाजी में मेरी साथी थी। वह खेलों के विकास के लिये प्रतिबद्ध है।' बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले पहले भारतीय हैं। उन्होंने कहा ,'मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं। मैं प्रदेश में और देश में खेलों के विकास के सफर के लिये सभी को शुभकामना देता हूं।' केंद्रीय खेल और युवा कार्य राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा ,'पिछले पांच छह साल में बिहार में खेलों के क्षेत्र में हुआ विकास कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। प्रदेश सरकार ने मनरेगा योजना की मदद से ग्रामीण इलाकों में छोटे मैदान और स्टेडियम बनाये। उससे सीखते हुए हमने वीबी जी राम जी अधिनियम के तहत देश भर में उसी तर्ज पर स्टेडियम और छोटे मैदान बनाने के लिये बजटीय आवंटन किया है।' उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को खेलों के विकास के लिये मिलकर काम करना चाहिये। उन्होंने कहा ,'खेल राज्य का विषय है और केंद्र सक्रिय रूप से पूरा साथ दे रहा है। खेलो भारत मिशन के तहत प्रदेशों से मशविरा करके खेलों के पूरे इकोसिस्टम में बदलाव किया जा रहा है।'

ऑस्ट्रेलिया ने 2026-27 के लिए कार्यक्रम जारी किया, भारत के खिलाफ खेलेगा पांच टेस्ट

मेलबर्न: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा। अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का वह दौरा कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन जैसे खिलाड़ियों के लिए आखरी चुनौती होगी क्योंकि उन्होंने अभी तक भारत में कभी कोई श्रृंखला नहीं जीती है।'

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम इस प्रकार है:

अगस्त: बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच (घरेलू मैदान पर)

अक्टूबर: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच (विदेश में)

दिसंबर-जनवरी: न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच (घरेलू मैदान पर)

जनवरी-मार्च: भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच (विदेश में) 11-15

स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला बराबर की

वेलिंगटन: कॉन्नर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को 19 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 164 रन बनाए। एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला टी20 अर्धशतक जड़ा और 57 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पारी की शुरुआत में ही वियान मुल्डर का विकेट गिरने के बाद उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को संभाला। पावर प्ले में ही उन्होंने लगातार चौके-छक्के लगाकर रनगति को तेज रखा। एस्टरहुइज़न को टोनी डी ज़ोर्ज़ी का अच्छा साथ मिला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 81 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। इसके अलावा रुबिन हरमन (26) और डियान फॉरेस्टर (19) ने भी उपयोगी योगदान दिया, जबकि जेसन स्मिथ और जॉर्ज लिंडे ने अंत में तेजी से रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। टीम ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बना लिए थे, जिसमें टिम रॉबिंसन के 22 गेंदों पर 32 रन शामिल थे। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया। प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पदार्पण मैच में 13 रन देकर दो विकेट झटके, जबकि केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। करीब तीन साल बाद टीम में लौटे डेन क्लीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन उनके आउट होते ही मैच दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में चला गया। कप्तान जिमी नीशम ने माना कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन अनुभव की कमी टीम पर भारी पड़ी। श्रृंखला का निर्णायक पांचवां मुकाबला बुधवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

विदेशी खिलाड़ियों की चोट और अनुपस्थिति से कुछ आईपीएल टीमों के समीकरण गड़बड़ाए

नयी दिल्ली: कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे। सनराइजर्स के एक अन्य ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर में चोट लगने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी चोटिल होने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से शुरू के कुछ मैच में नहीं खेल पाएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग की चोट के और बढ़ जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख गेंदबाज मिचेल स्टार्क का भी शुरू के कुछ मैचों में खेलना संदिग्ध है क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए उनके कार्यभार पर नजर रख रहा है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी पंजाब किंग्स की तरफ से शुरुआती दौर के मैचों में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अपने परिवार और नवजात बेटे के साथ कुछ समय बिताना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स को भी इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन के चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाने से झटका लगा है। वह टी20 विश्व कप के दौरान चोटिल हो गए थे।

त्रिकोणीय दोस्ताना मैचों के लिये भारत की अंडर 23 टीम घोषित

नयी दिल्ली: अरूणाचल प्रदेश में आगामी त्रिकोणीय दोस्ताना मैचों के लिये भारत की 24 सदस्यीय अंडर 23 पुरूष फुटबॉल टीम की रविवार को घोषणा कर दी गई। टूर्नामेंट में भारत, भूटान और ताजिकिस्तान की अंडर 23 टीमें भाग लेंगी। यह अरूणाचल प्रदेश के यूपिया में 25 से 31 मार्च तक खेला जायेगा। पहला मुकाबला भूटान और ताजिकिस्तान के बीच 25 मार्च को होगा। भारतीय टीम 28 मार्च को भूटान से खेलेगी और ताजिकिस्तान से 31 मार्च को सामना होगा। सभी मैच शाम सात बजे शुरू होंगे।

भारतीय अंडर 23 टीम : **गोलकीपर :** दीपेश चौहान, मोहनराज के, प्रियांश दुबे **डिफेंडर :** दीपेंदु बिश्वास, हर्ष पालांडे, परमवीर, रिकी मीतेइ हाओबाम, रोनी खारबुडोन, सनातोंबा सिंह, शुभम भट्टाचार्य **मिडफील्डर :** ई येस-ुदासन, लालरेम्टलुआंगा फनाइ, लालरिन्लियाना नाम्टे, मैकार्टोन लुईस निकसन, मोहम्मद सनन के, शिवाल्डो सिंह, तोंबा सिंह हाओबाम, विनित वेंकटेश, जोथान्पुइया **फॉरवर्ड :** एडिसन सिंह थोकचोम, लालथांकिमा, मोहम्मद अजसल, सुहेल अहमद भट, थोई सिंह।

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला: हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि मौसम की स्थिति में सुधार होते ही जून में व्यापारिक गतिविधियां फिर से शुरू हो जाएंगी। नेगी ने केंद्र सरकार से कैलाश-मानसरोवर यात्रा की सुविधा के लिए शिपकी ला दर्रे की सड़क को विकसित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केवल 3-4 किलोमीटर का संपर्क बनाने से यात्रा आसान और छोटी हो जाएगी।

भारत एक दीर्घकालिक निवेश बाजार, ई-कॉमर्स में वृद्धि की जबर्दस्त गुंजाइश: अमेजन इंडिया

नयी दिल्ली: अमेजन भारत को एक दीर्घकालिक निवेश बाजार के रूप में देखती है, जहां ई-कॉमर्स अभी भी अपने शुरुआती चरण में है। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि मजबूत व्यापक आर्थिक आधार और सकारात्मक उपभोक्ता धारणा के दम पर यहां वृद्धि की पर्याप्त गुंजाइश है। अमेजन के भारत और ऑस्ट्रेलिया के परिचालन उपाध्यक्ष अभिनव सिंह ने कहा कि कंपनी ने हाल में 12.5 करोड़ उत्पादों पर 'शून्य रेफरल शुल्क' का विस्तार किया है, जिस पर विक्रेताओं से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, 'विक्रेता न केवल शुल्क कटौती से उत्साहित हैं, बल्कि वे इन लाभ को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए भी उत्सुक हैं। इससे बाजार में बेहतर कीमतें मिल सकेंगी। साथ ही, वे अपना मार्जिन भी सुधार पा रहे हैं।' सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि भारत के लिए कंपनी का नजरिया बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि भारत में ई-कॉमर्स अभी बस शुरू ही हुआ है। यह कुल खुदरा बाजार का महज एक छोटा हिस्सा है, और हमारे लिए बढ़ने की जबर्दस्त गुंजाइश है।' बीजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय ई-कॉमर्स बाजार इस समय 120-140 अरब डॉलर का है और यह 2030 तक 280-300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

सरकार आज महत्वपूर्ण खनिजों के ब्लॉक की नीलामी का सातवां चरण शुरू करेगी

नयी दिल्ली: सरकार सोमवार को महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के लिए नीलामी का सातवां चरण शुरू करेगी, जिसके तहत कई राज्यों में फैले 19 ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा जाएगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों के बीच सरकार का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, उर्वरकों और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। अब तक, सरकार नीलामी के छह दौर आयोजित कर चुकी है, जिसमें 46 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक की बिक्री की जा चुकी है। खान मंत्रालय ने बयान में कहा, 'इस दिशा में आगे बढ़ते हुए सातवें चरण में खनन पट्टे और संयुक्त लाइसेंस के तहत कई राज्यों में 19 ब्लॉक पेश किए जाएंगे।'' देश की आर्थिक वृद्धि और खनिज सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खनिज बेहद जरूरी हैं। स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकियों की ओर वैश्विक झुकाव ने लिथियम, ग्रेफाइट, दुर्लभ मृदा तत्व, टंगस्टन, वैनेडियम, टाइटेनियम और अन्य दुर्लभ धातुओं जैसे खनिजों की मांग में काफी वृद्धि कर दी है।

बेमौसम बारिश से शुरुआती गर्मी की मांग प्रभावित होने की आशंका, एसी विनिर्माता कंपनियां सतर्क

नयी दिल्ली: देश के कई हिस्सों में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनियां सतर्क हो गई हैं। कंपनियों को आशंका है कि इससे गर्मी की शुरुआत में एसी की मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि यही समय उनकी बिक्री के लिए सबसे अहम होता है। उद्योग जगत की चिंता सिर्फ मौसम तक सीमित नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी गैस की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है। कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। आमतौर पर मार्च महीने में गर्मी बढ़ने लगती है और ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग तेज हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम के बदले रुख से कंपनियां असमंजस में हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अप्रैल में तापमान बढ़ेगा और मांग भी सुधरेगी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि अगले हफ्ते के बाद दिल्ली और उत्तर भारत में तापमान बढ़ने के संकेत हैं। उन्होंने कहा कि अभी बिक्री पर असर को लेकर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोडरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एन. एस. सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है। इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है। सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि वॉशिंग मशीन की कुल लागत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का होता है, इसलिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है।

पश्चिम एशिया संकट से गैस आपूर्ति बाधित, आधी क्षमता पर चल रहे हैं भारत के यूरिया संयंत्र

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच 'अपरिहार्य स्थिति' की घोषणा के चलते तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बाधित होने की वजह से देश के यूरिया संयंत्र अपनी आधी क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि देश की सबसे बड़ा एलएनजी प्राप्त करने वाला टर्मिनल चलाने वाली पेट्रोनेट एलएनजी लि. ने अपरिहार्य स्थिति की घोषणा की है। आपूर्तिकर्ताओं ने जलडमरूमध्य व्यवधान की वजह से कंपनी को अनुबंधित मात्रा में गैस की आपूर्ति करने में असमर्थता जताई है। इस कदम से सरकारी गैस वितरक कंपनियों गेल (इंडिया) लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) ने आपूर्ति में कटौती शुरू कर दी है।

चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह में कोयला आयात 4.2 प्रतिशत घटकर 21.31 करोड़ टन

नयी दिल्ली: देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान 4.2 प्रतिशत घटकर 21.31 करोड़ टन रहा है। समुद्री मार्ग से ढुलाई महंगी होने के कारण अभी कोयला आयात कमजोर ही रहने की संभावना है। आयात में गिरावट से पता चलता है कि देश कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, जबकि घरेलू उत्पादन बढ़ रहा है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव की वजह से आपूर्ति में आई बाधा की वजह से वैश्विक स्तर पर तापीय कोयले की कीमतें चढ़ रही हैं। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लि. के आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले का आयात 12.78 करोड़ था, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 14.11 करोड़ टन के आंकड़े से कम है। एमजंक्शन सर्विसेज सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है। अप्रैल-जनवरी, 2025-26 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 5.03 करोड़ टन रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.58 करोड़ टन था। जनवरी में देश का कोयला आयात 22.1 प्रतिशत घटकर 1.66 करोड़ टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 2.13 करोड़ टन रहा था। जनवरी में हुए कुल आयात में से, गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 94.5 लाख था, जो पिछले साल जनवरी के आंकड़े 1.23 करोड़ टन से कम है। कोकिंग कोयले का आयात 42.3 लाख था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 52.3 लाख टन रहा था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कहा, ''घरेलू बाजार में ज्यादा स्टॉक होने की वजह से तापीय कोयले के आयात में (सालाना आधार पर) काफी गिरावट आई है। समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ आयात और कम रहने की संभावना है।'

न्यूज अपडेट

ईरान युद्धः एयर इंडिया के सीईओ ने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाने को कहा

मुंबई/नयी दिल्ली: एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि समूह पश्चिम एशिया के संघर्ष से काफी प्रभावित हुआ है और इसका वित्तीय प्रभाव अभी पूरी तरह से महसूस होना बाकी है। उन्होंने अनावश्यक खर्चों पर पहले से कहीं अधिक सख्त नियंत्रण रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। घाटे में चल रही एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस पश्चिम एशिया संकट के कारण दूसरी एयरलाइन कंपनियों की तरह परिचालन बाधाओं से जूझ रही हैं। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद यह संकट गहरा गया। विल्सन ने शुक्रवार को कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा, 'संघर्ष शुरू होने के बाद से तीन सप्ताह में हमें इस क्षेत्र की लगभग 2,500 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। आज की स्थिति में हम अपनी सामान्य पश्चिम एशिया उड़ानों का केवल 30 प्रतिशत ही संचालित कर पा रहे हैं। कई हवाई अड्डे और हवाई क्षेत्र बंद हैं, या उन्हें हमारे सुरक्षा मानकों से बाहर माना गया है।' हवाई क्षेत्र के प्रतिबंधों के कारण एयरलाइन की ब्रिटेन, यूरोप और उत्तरी अमेरिका की उड़ानें भी लंबे हवाई मार्गों का उपयोग कर रही हैं, जिससे ईंधन की खपत बढ़ गई है। विल्सन ने कहा कि पश्चिम एशिया के लिए और वहां से होकर होने वाले परिचालन के बड़े पैमाने को देखते हुए एयर इंडिया समूह पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण है। विल्सन के अनुसार, इस संकट का वित्तीय असर अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है। विमान ईंधन की हाजिर कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, लेकिन समूह पर इसका ज्यादातर प्रभाव अगले महीने से ही दिखाई देगा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ रुपये घटा

नयी दिल्ली : सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 56,124.48 करोड़ रुपये घटकर 12,01,267.28 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 18,009.62 करोड़ रुपये घटकर 4,89,631.32 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस के पूंजीकरण में 15,338.42 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,16,715.12 करोड़ रुपये पर आ गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 7,127.63 करोड़ रुपये घटकर 8,64,940 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,171.72 करोड़ रुपये घटकर 8,91,673.06 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 45,942.75 करोड़ रुपये बढ़कर 19,14,235.92 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 24,462.03 करोड़ रुपये बढ़कर 10,52,893.75 करोड़ रुपये और एसबीआई का मूल्यांकन 10,707.52 करोड़ रुपये बढ़कर 9,76,968.57 करोड़ रुपये रहा। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 2,624.88 करोड़ रुपये बढ़कर 4,91,610.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 2,473.79 करोड़ रुपये बढ़कर 5,08,789.37 करोड़ रुपये हो गई।

वर्ष 11, पूर्णांक 3539 अंक 005 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in